पीएम मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

अक्षय की समुक में एलियन के... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 117 | गाजियाबाद / गुरूवार 30 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

तमिलनाडु के मीनाक्षी मंदिर की 60 करोड़ रुपए की जमीन हड़पी

● फर्जी दस्तावेजों के जरिए किया कब्जा, 19 लोगों पर एफआईआर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मदुरै के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर से जुड़ी एक चैरिटेबल ट्रस्ट की 1.79 एकड़ जमीन को फर्जी तरीके से हड़पने का मामला सामने आया है। इस जमीन की कीमत करीब 60 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मदुरै सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने इस मामले में 19 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि आरोपियों ने जमीन के फर्जी ट्रांसफर आदि बनवा लिए हैं।

● **तहसीलदार पर लगा जमीन हड़पने का आरोप**– मामले में आरोप है कि 24 जून 2016 को तत्कालीन मदुरै उत्तर तहसीलदार अनबझगन ने सरकारी रिकॉर्ड से मंदिर का मालिकाना हक हटा दिया। उन्होंने अवैध रूप से जमीन का पट्टा 9 लोगों के नाम ट्रांसफर कर दिया था। राजस्व संभागीय अधिकारी ने तहसीलदार के आदेश को रद्द कर दिया। जमीन को मंदिर ट्रस्ट की संपत्ति बताते हुए पट्टा वापस मंदिर के नाम करने का निर्देश दिया। इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच में भी केस चल रहा है, जिसने अंतरिम रोक लगा रखी है।

● **कोर्ट के आदेश के बावजूद मॉर्गेज डीड बनाई**– एफआईआर में आरोप है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद 16 अप्रैल 2021 को थूथुकुडी जिले के मुराप्पनडु सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में तत्कालीन सब-रजिस्ट्रार अनंतरामन की मदद से जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी रजिस्टर कराई गई।

प्रधानमंत्री और सुरक्षाबलों को गाली देने वाले बचेंगे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट के दौरान सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने ऐक्शन शुरू कर दिया है। दरअसल, दिल्ली पुलिस पीएम और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले सोशल मीडिया हैंडलों को नोटिस जारी कर रही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक एफआईआर दर्ज की है जिसके आधार पर एक्स से भी उन सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी मांगी गई है जिन्होंने सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान पीएम और सुरक्षाबलों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। एक्सप्रेस के मुताबिक, एफआईआर इस शिकायत पर दर्ज की गई कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संवैधानिक प्रमुखों को टारगेट करके गलत, दुर्भावनापूर्ण और बदनाम करने वाला कंटेंट शेयर किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने एक्ससे कहा है कि वह प्लेटफॉर्म से कथित पोस्ट या वीडियो तुरंत डिलीट कर दे।

राज्यसभा में भिड़े जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खरगे

● सीपीआई (एम) दफ्तर में पुलिस कार्रवाई को लेकर हुई तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र के 8वें दिन सदन की कार्यवाही शुरू होते ही राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे और जेपी नड्डा में तीखी बहस हुई। खरगे ने सीपीआई (एम) के ऑफिस में हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े किए। साथ ही कहा कि अब देश में लोकतंत्र खतरे में है। इसके साथ ही विपक्ष लगातार 20 जुलाई को

संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से सदन में जवाब देने की मांग कर रहा है। दूसरी ओर जेपी नड्डा ने खरगे के आरोपों पर पलवार करते हुए पुलिस कार्यवाही पर सरकार का बचाव किया। बुधवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

● **खरगे के आरोपों पर नड्डा का पलटवार**– खरगे के आरोपों पर पलटवार करते हुए जेपी नड्डा ने कहा, पुलिस ने केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई की थी। उन्होंने कहा, मैंने कांग्रेस के दौर में इससे बदतर दिन देखे हैं। छात्र जीवन के दौरान मैं भी कई बार गिरफ्तार किया जा चुका हैं। मुझे क्लासरूम से इमरजेंसी के दौरान गिरफ्तार किया गया था। नड्डा ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा, कि विपक्ष इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अमृतपाल सिंह की रिहाई को लेकर चंडीगढ़ में बवाल

वारिस पंजाब दे के नेता-कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने चलाई वॉटर कैनन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली में संसद के मॉनसून सत्र के बीच वारिस पंजाब दे के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई को लेकर चंडीगढ़ में बुधवार को प्रोटेस्ट किया। पुलिस ने वारिस पंजाब दे के नेताओं और कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का

इस्तेमाल किया। हालांकि इस दौरान कार्यकर्ताओं और नेताओं की पुलिस से झड़प हुई। कार्यकर्ता वॉटर कैनन की गाड़ी पर चढ़ गए। इसके बाद कार्यकर्ता बेरीकेडिंग को पार करके आगे बढ़ गए। वारिस पंजाब दे के नेताओं और कार्यकर्ताओं की मांग थी कि सांसद अमृतपाल सिंह और अन्य सिख नेताओं की रिहा किया जाए। गौरतलब हो कि अमृतपाल सिंह वर्तमान में असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद हैं। उन्हें अजनाला थाने पर हमले, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के उल्लंघन, और कई अन्य आपराधिक मामलों के तहत गिरफ्तार किया गया था। अमृतपाल सिंह की 23 अप्रैल 2023 को पंजाब के मोगा जिले के रोडे गांव से गिरफ्तारी हुई थी।

यूक्रेन में जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंसे

15 क्रू मेंबर सवार थे, लगातार ड्रोन और मिसाइलों से अटैक हो रहे

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन में चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंस गए हैं। 'एमवी अमीर 1' नाम का जहाज लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच फंस गया है। इसके बाद इंडियन सीमेन यूनियन ने इस मामले में तुरंत मदद की अपील की है। यूनियन के मुताबिक, जहाज पर कुल 15 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 13 भारतीय नाविक शामिल हैं। जहाज बेहद खतरनाक

हालात में फंसा हुआ है। उसके आसपास लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश हो रही है, जिससे चालक दल के सदस्य हर पल सीधे हमले की आशंका में जी रहे हैं। यूनियन ने भारत सरकार, जहाज के मालिक, फ्लैग स्टेट और सभी संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि नाविकों की सुरक्षा तुरंत सुनिश्चित की जाए और उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित भारत वापस लाया जाए। यूनियन ने कहा कि भारतीय नाविकों को युद्ध वाले इलाके में निशाना बनने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

घाटी में आतंकियों की साजिश नाकाम

सुरक्षाबलों के ज्वाइंट ऑपरेशन में बरामद हुआ हथियारों का जखीरा

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले से बुधवार को एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। जिले के तांत्रेपोरा-सुरसनू के घने बाग वाले इलाके में चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। इस बरामदगी के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक इस पूरे ऑपरेशन की कहानी शुरू हुई एक सटीक खुफिया सूचना से। जम्मू-कश्मीर पुलिस को अपने सोर्स से जानकारी मिली

थी कि तांत्रेपोरा-सुरसनू के बाग वाले क्षेत्र में कुछ संदिग्ध सामग्री छिपाई गई है। इस इनपुट को बेहद गंभीरता से लेते हुए तुरंत एक ज्वाइंट ऑपरेशन प्लान तैयार किया गया। इस सूचना के आधार पर कुलगाम पुलिस, भारतीय सेना की 34 राष्ट्रीय राइफल्स (34 आर) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 18वीं बटालियन ने मिलकर इलाके को घेरने की रणनीति बनाई।

बाग के चप्पे-चप्पे में चला सर्च ऑपरेशन

बुधवार सुबह से ही सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने तांत्रेपोरा-सुरसनू के बाग क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। बाग की आड़ में छिपाए गए हथियारों को ढूंढना आसान नहीं था, लेकिन जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर एक-एक जगह को बारीकी से खंगाला। कई घंटों तक चले इस सघन सर्च ऑपरेशन के बाद आखिरकार जवानों को वह कामयाबी मिली जिसका इंतजार था। बाग के अंदर एक जगह से हथियारों और गोला-बारूद का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने आने वाले दिनों में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए इस जखीरे को यहां छिपा कर रखा था। सुरक्षा बलों ने बरामद किए गए सभी हथियारों और गोला-बारूद को तुरंत अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है। बरामद हथियारों में दो पिस्तौल, दो राइफल, 7 ग्रेनेड आदि शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि, बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर जब्त कर लिया गया है, मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

हंगामे के बीच एंटी पेपर लीक बिल लोकसभा से हुआ पास

राहुल की 50 मिनट की स्पीच, संसद में जमकर हंगामा

'इडियट' शब्द बोलने पर स्पीकर बिरला ने 11 बार टोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को विपक्ष के हंगामे के बीच ध्वनि मत से पास हो गया। वहीं राज्यसभा में वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने वाला विधेयक पास हो गया। इससे पहले विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले।

रिजिजू ने 7 बार टोका, कहा- माफी मांगें– विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।' स्पीकर ओम बिरला ने भी टोका।

किसानों का अर्धनग्न प्रदर्शन, बैरिकेड तोड़ बसों पर चढ़े

● सड़क पर दाल-बाटी बनाई, सद्बुद्धि यज्ञ भी किया, सीएम हाउस के रास्ते पर कड़ी सुरक्षा

भोपाल (एजेंसी)। मूंग खरीदी, ई-टोकन सिस्टम समेत अन्य मांगों को लेकर भोपाल में किसानों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी है। सीएम हाउस की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे किसानों को एम्प्री के पास वीर सावरकर सेतु पर पुलिस ने रोक दिया। बसों की चार लेयर में बैरिकेडिंग की गई है। कुछ किसान पहले बैरिकेडिंग पर चढ़ गए थे, जिन्हें पुलिस ने समझाइश देकर नीचे उतार दिया। इसके बाद किसान वहीं बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन स्थल पर कुछ किसान अर्धनग्न होकर विरोध जता रहे हैं और सरकार से एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगें पूरी करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, कुछ किसान रातभर जागने के बाद आराम करते नजर आए। दाल-बाटी बनाकर सड़क पर ही लंच का इंतजाम किया। किसानों के समर्थन में जेन जेड भी प्रदर्शन में शामिल हैं।

● **सीएम बोले- मंत्रियों का दल किसानों से बातचीत करेगा**– मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों से जुड़े मुद्दों पर संवाद के लिए सरकार ने एक कमेटी बनाई है। कमेटी में शामिल मंत्रियों का दल किसानों से बातचीत करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के सकारात्मक सुझावों के साथ है, लेकिन आम जनता को परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। भोपाल में किसानों के धरना-प्रदर्शन के चलते नर्मदापुरम रोड पर यातायात प्रभावित हो गया है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार 28 जुलाई शाम 6 बजे से आरआरएल तिराहा ब्रिज के उतार पर किसान आंदोलन जारी है, जिससे इस मार्ग पर वाहनों का सीधा आवागमन संभव नहीं है। लोगों की सुविधा के लिए वैकल्पिक रूट तय किए गए हैं। नर्मदापुरम जाने वाले वाहन कोलार गेस्ट हाउस तिराहा, 6-लेन रोड, होली क्रॉस स्कूल तिराहा, अमरावत कला और मंडीदीप होकर जा सकते हैं। मंडीदीप से भोपाल आने वाले वाहन 11 मील बायपास, नंदी चौराहा, खजूरी कला, एसओएस रोड, पिपलानी और बोर्ड ऑफिस मार्ग का उपयोग करें। मिसरोद, कोलार, चूनाभट्टी, बागमुगालिया और एम्स क्षेत्र के लिए भी वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं। वहीं आईएसबीटी से नर्मदापुरम, बैतूल और जबलपुर जाने वाली बसों को बायपास मार्ग से संचालित किया जा रहा है। यात्रियों से घर से निकलने से पहले ट्रैफिक डायवर्जन का ध्यान रखने की अपील की गई है।

उत्तराखंड में भारी बारिश, चार धाम यात्रा रुकी

● छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 5 की मौत, राजस्थान में बाजारों में पानी भरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद चार धाम यात्रा 2 दिन के लिए रोक दी गई है। चंपावत, बागेश्वर और टिहरी में 12वीं तक के स्कूल-आंगनवाड़ी में छुट्टी कर दी गई है। राजस्थान के धौलपुर में तेज बारिश से बाजारों में पानी भर गया। गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ से टाटा मोटर्स के साणंद प्लांट और आसपास मौजूद कई सप्लायर की यूनिट बंद करानी पड़ीं। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। राज्य में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी है।

देश के ऊपर दो सिस्टम करा रहे जोरदार बारिश– देश के ऊपर दो सिस्टम मौजूद हैं। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ होते हुए आगे बढ़ रहा है। आईएमडी ने 4-5 दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में सामान्य से ज्यादा और पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी दी है। दिल्ली में मंगलवार को 50 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक 4 मानसूनी सिस्टम ने ये बारिश कराई।

● **तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत**– प्रदेश में बिजली गिरने की तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। वहीं सारंगढ़ में नाले में बही कार में सवार पूर्व सरपंच और उनकी पत्नी का 60 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। राज्य के 7 जिले अब भी बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 3.32 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं और 45 हजार हेक्टेयर से अधिक फसल पानी में डूबी हुई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बाढ़ में जान गंवाने वालों के परिवारों को 9 लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है। इसके अलावा परिवारों को मदद मिलेगी।

नीतिश के वीडियो को एआई बताने पर भड़की जेडीयू

नीरज कुमार ने पीके के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

पटना (एजेंसी)। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के एक वीडियो को लेकर बिहार की राजनीति में भूचाल आ गया है। इस वीडियो को जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने फर्जी और एआई जेनरेडेट बताया था। इसके बाद जनता दल (यूनाइटेड) पूरी तरह आक्रामक हो गई है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता और विधान पार्षद नीरज कुमार ने प्रशांत किशोर के इस दावे को भ्रामक और साजिश करार देते हुए पटना के शास्त्री नगर थाने में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जेडीयू ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। बांकीपुर सीट पर उपचुनाव के मद्देनजर एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का एक चुनावी अपील वीडियो जारी किया गया था। इस वीडियो में वे जनता से मतदान करने की अपील कर रहे हैं। प्रशांत किशोर ने दावा किया था कि यह वीडियो असली नहीं है, बल्कि इसे एआई तकनीक का इस्तेमाल करके फर्जी तरीके से बनाया गया है।

गाजियाबाद में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत और कई घायल

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के निवाड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब हरिद्वार दर्शन और गंगा स्नान के लिए जा रही एक बोलेरो पिकअप की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि पिकअप हाल ही में खरीदी गई थी और सवार सभी लोग उसकी पूजा-अर्चना एवं गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। सूचना मिलते ही निवाड़ी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेते हुए उसके चालक और परिचालक को हिरासत में ले लिया है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह क्षेत्र में सड़क दुर्घटना का अकेला मामला नहीं है। इससे पहले, 21 जुलाई को ग्रेटर नोएडा के छपरौला के पास भी सरिया लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नाले में गिर गया था, जिससे केबिन में फंसे चालक आमिर (28) की मौत हो गई थी। इन हादसों ने सड़कों पर सुरक्षा उपायों की गंभीरता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा सांसदों को बागवानी सब्सिडी : एक ने लौटाई, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने संसद को जानकारी दी कि केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी और राजस्थान के भाजपा सांसद लुंबाराम को बीते पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता मिली थी। हालांकि, चौधरी ने अपनी सब्सिडी वापस कर दी है। कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि एनएचबी की योजनाएं व्यावसायिक बागवानी, संरक्षित खेती, फसल कटाई के बाद प्रबंधन और शीत भंडार अवसंरचना के विकास के लिए पात्र किसानों और उद्यमियों को आर्थिक मदद देती हैं। उन्होंने सांसदों और उनके करीबी परिवार के सदस्यों को मिली वित्तीय सहायता का विवरण दिया, जिसमें चौधरी और लुंबाराम प्रमुख थे। कृषि राज्य मंत्री ठाकुर ने स्पष्ट किया कि भगीरथ चौधरी ने अपनी सब्सिडी संबंधित बैंक को लौटा दी है, जिसे बागवानी बोर्ड को वापस भेजने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने बताया कि बोर्ड के दिशानिर्देशों में लोक सेवकों या उनके परिवार के सदस्यों के आवेदनों को लेकर हितों के टकराव का कोई विशेष प्रावधान नहीं है। ये योजनाएं सभी पात्र आवेदकों के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें व्यक्ति, फर्म और कंपनियां शामिल हैं, बशर्ते वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करें। इसमें परियोजना की जमीन आवेदक के स्वामित्व में होनी चाहिए या कम से कम 10 साल के लिए पट्टे पर ली गई होनी चाहिए।

कांवड़ यात्रा से पहले हापुड़ में मांसाहारी दुकानें बंद : प्रशासन सख्त

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हापुड़ जिले में आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठा दिए हैं। शिवभक्तों की आस्था का सम्मान करने और यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से, शहर में मीट, मछली, अंडे और अन्य मांसाहारी उत्पादों की बिक्री करने वाली सभी दुकानें बंद करने के आदेश दिया हैं। यह प्रतिबंध 26 जुलाई से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा, जिसकी सूचना सभी दुकानदारों को नोटिस के माध्यम से दे दी गई है। पुलिस और जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि इस अवधि के दौरान कोई भी मांसाहारी प्रतिष्ठान खुला मिलता है, तब उसके मालिक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी कविता मीणा ने जानकारी देकर बताया कि कांवड़ यात्रा को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु निर्णय लिया है। उन्होंने पुष्टि की कि सभी मीट की दुकानों और रेस्टोरेंट संचालकों को सूचित किया गया है कि कांवड़ मार्ग व आसपास के क्षेत्रों में मीट, मांस, मछली की बिक्री पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। जिला प्रशासन ने दुकान मालिकों और होटल संचालकों से आदेश का पूर्णत: पालन करने की अपील की है। इसके अतिरिक्त, हापुड़ पुलिस यात्रा मार्गों पर लगातार निगरानी कर रही है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले ही कई दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। खाद्य और अन्य प्रतिष्ठानों की भी जांच की जा रही है, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। प्रशासन का लक्ष्य है कि लाखों कांवड़ियों की यात्रा सुरक्षित और निर्बाध रूप से पूरी हो सके।

अबोहर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, स्कूल खाली कराए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह फाजिल्का जिले के अबोहर स्थित कई प्रमुख स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर स्कूलों को तत्काल खाली कराकर छात्रों को सुरक्षित घर भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, अजम्पसन कॉन्वेंट स्कूल, डीएवी स्कूल समेत कई शिक्षण संस्थानों को सुबह करीब 8:51 बजे ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दोपहर 1:30 बजे तक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को इसकी जानकारी दी और तत्काल छुट्टी घोषित कर दी। घटना की सूचना पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्कूल परिसरों की गहन तलाशी ली गई और ईमेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सतर्क रहने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी पंजाब के जालंधर, अमृतसर, मोगा, मोहाली तथा चंडीगढ़ के कई स्कूलों को इसी तरह की धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है।

अमृतपाल की रिहाई को लेकर प्रदर्शन हुआ तेज, मोहाली बॉर्डर पर पुलिस से झड़प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के कार्यकर्ताओं ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री भगवंत मान के सरकारी आवास के घेराव का प्रयास किया। प्रदर्शन को रोकने के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने मोहाली-चंडीगढ़ सीमा पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे, यहां प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई।

छात्रों पर बल प्रयोग कर सरकार ने गांधी के विचारों को कफन पहनाने का काम किया

डिंपल यादव सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव ने नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर केंद्र सरकार द्वारा किए गए बल प्रयोग की तीखी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई से महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के विचारों को कफन पहनाने का काम किया है। लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, पर चर्चा के दौरान डिंपल ने बीते 40 दिनों में आत्महत्या करने वाले 20 विद्यार्थियों का उल्लेख किया।

सपा सांसद डिंपल ने सवाल उठाया कि जब 2024 में इसतरह का कानून लाया गया था, तब भी प्रश्नपत्र लीक क्यों हुए? उन्होंने पेपर लीक को मोदी सरकार का षड्यंत्र या सिस्टम में परमानेंट लीकेज बताया। उन्होंने छात्रों के हौसले की सराहना की, जिन्होंने प्रशासन का डटकर मुकाबला किया और अहंकारी सरकार के आगे झुकने से इंकार किया। डिंपल ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी बेटियों के कपड़े फाड़े गए, उन पर पैलेट गन चली, बच्चों के सिर कील लगे डंडों से फोड़े और बिहार में एके-47 का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने भाजपा सदस्यों पर पलटवार कर कहा कि यदि आपातकाल देखना था....तब सड़कों पर देखना चाहिए था, जब बच्चे खून बहा रहे थे। उन्होंने छात्रों को अराजक तत्व कहने वाले सांसदों की भी कड़ी आलोचना की।

वहीं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधेयक को बिना मन से लाया गया बताकर कहा कि 2024 का कानून भी विफल रहा। उन्होंने त्वरित अदालत को भाजपा का नया जुमला करार देकर सुझाव दिया कि पेपर लीक होने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कानून में पहली शर्त होनी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि 12 साल की भाजपा सरकार के बाद युवा पीढ़ी चौराहे पर है, और सरकार ने किसान व पहलवान आंदोलनों की तर्ज पर ही छात्र आंदोलन को दबाने के लिए अपने टूल किट का इस्तेमाल किया।

लोजपा (रामविलास) के अरूण भारती ने विधेयक का समर्थन कर पेपर लीक की सूचना देने वालों को संरक्षण और रद्द परीक्षाओं की जांच की मांग की। कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और एक निष्पक्ष जांच का आदेश देने की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की शर्मिला सरकार ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल के साथ-साथ पुलिस लाठीचार्ज की भी निंदा की। शिवसेना (उबाठा) के अरविंद सावंत ने जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन और छात्रों के साहस की सराहना कर लड़कियों पर हुई बर्बरता की निंदा की।

पीएम मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट मामले में दिल्ली पुलिस ने एक्स से मांगी जानकारी

-पोस्ट हटाने के साथ अकाउंट संचालकों का नाम, पता, मोबाइल नंबर और लॉगिन डिटेल देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने एक्स को पत्र लिखकर संबंधित पोस्ट और वीडियो हटाने तथा उन्हें साझा करने वाले अकाउंट संचालकों की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। दिल्ली पुलिस ने प्लेटफॉर्म से अकाउंट होल्डर्स के नाम, पते, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सहित अन्य पहचान संबंधी विवरण मांगे हैं। इसके अलावा संबंधित खातों की लॉगिन और लॉगआउट जानकारी, समय और तारीख का रिकॉर्ड भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। पुलिस ने एक्स से यह भी आग्रह किया है कि संबंधित पोस्ट और वीडियो से जुड़ी सभी जानकारियों को भविष्य की जांच के लिए सुरक्षित रखा जाए। अधिकारियों का कहना है कि यह जानकारी जांच प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे पहले केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े एक वीडियो को लेकर नोटिस जारी किया था। हालांकि बाद में मेटा ने उस वीडियो को दोबारा बहाल कर दिया। दिल्ली पुलिस अब सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक सामग्री के स्रोत और उसे प्रसारित करने वाले लोगों की पहचान करने की दिशा में जांच आगे बढ़ा रही है।

संजय निरूपम ने कहा- प्रोफेसर वी. कामाकोटी से मांफी मांगे प्रियंका

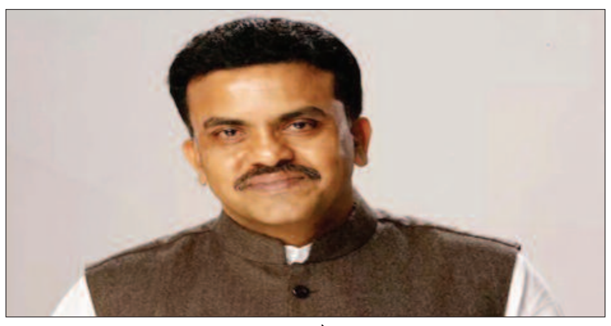

-संसद में टिप्पणी पर बढ़ा सियासी घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा घोषित परीक्षा सुधार टास्क फोर्स को लेकर नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी द्वारा आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामाकोटी को टास्क फोर्स में शामिल किए जाने पर सवाल उठाने और उन्हें लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजनीतिक पारा चढ़ गया है। प्रियंका गांधी के इस बयान की जहां सत्ता पक्ष ने तीखी निंदा की है, वहीं अब शिवसेना नेताओं ने भी उन्हें नसीहत देते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। संजय निरूपम ने आगे कहा कि भारतीय परंपराओं, आयुर्वेद और नेचरोपैथी पर शोध करने वाले विद्वानों का मजाक उड़ाना अनुचित है। उन्होंने प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वैज्ञानिकता की आड़ में भारतीय परंपराओं से नफरत करना सही नहीं है। उन्होंने मांग की कि प्रियंका गांधी को एक महान शिक्षक और वैज्ञानिक का अपमान करने के लिए प्रोफेसर कामाकोटी से माफी मांगनी चाहिए। इससे पहले मॉनसून सत्र के दौरान चर्चा में हिस्सा लेते हुए प्रियंका गांधी ने नई कमेटी के गठन पर सवाल उठाए थे और टास्क फोर्स के सदस्यों की योग्यताओं पर टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा था कि देश के प्रमुख वैज्ञानिकों में से एक पर इस तरह की टिप्पणी करना दुखद है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी अपनी बातों से लोगों को गुमराह करने और अपनी पूर्ववर्ती सरकारों की नाकामियों को छिपाने का प्रयास करती हैं। वहीं, शिवसेना नेता संजय निरूपम ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर प्रोफेसर कामाकोटी की शैक्षणिक योग्यताओं और उपलब्धियों का ब्योरा दिया। उन्होंने लिखा कि प्रोफेसर कामाकोटी आईआईटी मद्रास के निदेशक हैं, आधुनिक तकनीक के विशेषज्ञ हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टास्क फोर्स का नेतृत्व कर चुके हैं। वर्ष 2011 में आईआईटी की परीक्षाओं का सफल संचालन करने जैसी अनेक उपलब्धियां उनके नाम दर्ज हैं। इन्हीं योग्यताओं के आधार पर उन्हें नीट जैसी परीक्षाओं में सुधार और पारदर्शिता लाने वाली समिति में शामिल किया गया है।

देशभर में मानसून का कहर, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

--मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में रेड अलर्ट, गुजरात की फैक्ट्रियों में उत्पादन प्रभावित

-उत्तराखंड में चारधाम यात्रा दो दिन के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मानसून अपने सबसे सक्रिय चरण में पहुंच गया है, जिससे कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग ने अगले चार से छह दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से व्यापक वर्षा की संभावना बनी हुई है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई जिलों में अत्यधिक वर्षा की आशंका को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन को सतर्क रहने और संभावित बाढ़ व जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए हैं। कई नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी की भी आशंका जताई गई है। भारी बारिश का असर औद्योगिक गतिविधियों पर भी दिखाई दे रहा है। गुजरात में लगातार बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति के कारण देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स के साणंद संयंत्र सहित आसपास स्थित कई ऑटो पार्ट्स सप्लायर इकाइयों में पानी भर गया, जिससे उत्पादन अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। उद्योग जगत को आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने की भी चिंता है।

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन के कारण चारधाम यात्रा पर भी असर पड़ा है। यात्रा मार्गों पर मलबा आने और रास्ते अवरुद्ध होने के चलते प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर चारधाम यात्रा को दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। वहीं चंपावत, बागेश्वर और टिहरी जिलों में कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को एहतियातन बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने तथा नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का दौर जारी रह सकता है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एनईपी को नागपुर शिक्षा नीति, बिना चर्चा लागू करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। 31 जनवरी, 2026 को नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 की छठी वर्षगाँठ पर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधकर नागपुर शिक्षा नीति बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस महत्वपूर्ण नीति को संसदीय चर्चा के बिना ही लागू किया गया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि एनईपी 2020 पर संसद में कभी चर्चा नहीं की गई और न ही शिक्षा के केंद्रीय सलाहकार बोर्ड (सीएबीई) से मंजूरी मिली। उन्होंने मोदी सरकार पर एनईपी के तहत प्रमुख नियामक निकायों और पहलों को कमजोर करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि आज एनईपी की नींव हिल गई है, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की साख पूरी तरह खत्म हो चुकी है। उन्होंने बताया कि जो पूर्व मंत्री इसके सबसे बड़े प्रचारक थे और जिन्होंने राज्य सरकारों पर लागू करने का दबाव डाला था, उन्हें इस्तीफ़ा देना पड़ा। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान (वीएसई) का मामला भी संसद की एक संयुक्त समिति के पास भेजा गया है, जो ठंडे बस्ते में पड़ा है, और एनडीए सहयोगियों के विरोध के कारण बीते तीन सप्ताह में दो बार इसकी बैठकें रद्द करनी पड़ी हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने मौजूदा नीति की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय 1986 में शुरू की गई नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन से की। उन्होंने ज़ोर दिया कि 1986 की नीति को अपनाने से पहले संसद में उस पर विस्तार से चर्चा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली, जिन्होंने सामाजिक-आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाई।

दूषित पेयजल आपूर्ति पर भड़का जनाक्रोश, जल संस्थान पर धरना, भूख हड़ताल की चेतावनी

हरिद्वार (शिखर समाचार) रानीपुर विधानसभा क्षेत्र के सुभाष नगर में लंबे समय से नलों के माध्यम से दूषित और गंदे पेयजल की आपूर्ति किए जाने से क्षेत्रवासियों का आक्रोश मंगलवार को खुलकर सामने आया। वरिष्ठ समाजसेवी एवं भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों ने जल संस्थान कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन कर विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वर्षों से शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

धरने को संबोधित करते हुए सुरेंद्र ठाकुर ने कहा कि सुभाष नगर की पेयजल समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि पिछले दो से ढाई दशक से क्षेत्रवासी इससे जूझ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 20 से 25 वर्षों से जलापूर्ति की पाइपलाइनें नहीं बदली गई हैं। जर्जर और क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों के कारण नलों में लगातार दूषित पानी पहुंच रहा है, जिससे जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार अधिकारियों को समस्या से अवगत कराने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

सुरेंद्र ठाकुर ने जल संस्थान के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही दूषित जलापूर्ति बंद कर नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तो क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर उग्र जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह आमजन के हित में भूख हड़ताल पर बैठने से भी पीछे नहीं हटेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित विभाग की होगी। धरना-प्रदर्शन के दौरान लोगों ने स्वच्छ पेयजल को प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार बताते हुए प्रशासन से तत्काल स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु महिमा का हुआ गुणगान, कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ

हरिद्वार (शिखर समाचार) गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर निरंजनी अखाड़ा स्थित चरण पादुका मंदिर परिसर में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत डॉ. रविंद्रपुरी के संयोजन में श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरु पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह के अवसर पर कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ भी किया गया। शिविर के माध्यम से कांवड़ लेने आने वाले शिवभक्तों तथा कांवड़ यात्रा में ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक कर्मचारियों को प्रतिदिन नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

महंत डॉ. रविंद्रपुरी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु ही वह माध्यम हैं, जिनकी कृपा से मनुष्य को आत्मज्ञान, विवेक और जीवन का सही मार्ग प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। गुरु शिष्य के व्यक्तित्व, चरित्र और विचारों का निर्माण करते हैं तथा उसे जीवन की कठिनाइयों से उबरने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने सभी से अपने गुरु का सम्मान करने और उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज व राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

महामंडलेश्वर स्वामी वेदमूर्ति ने कहा कि गुरु का ज्ञान अमूल्य होता है और गुरु निस्वार्थ भाव से अपने शिष्यों का मार्गदर्शन करते हैं। महामंडलेश्वर स्वामी आदि योगी पुरी तथा महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद पुरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है और गुरु पूर्णिमा ज्ञान, संस्कार तथा आध्यात्मिक चेतना का उत्सव है। कार्यक्रम में राजीव शर्मा, आशुतोष शर्मा, डॉ. विशाल गर्ग, संजीव चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी, सुनील दत्त पांडेय, मनोज गौतम, महंत राज गिरी, स्वामी आलोक गिरी, पंडित अधीर कौशिक, प्रदीप बत्रा सहित अनेक संत, गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार राजनीतिक हित के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल न करे: सीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया हैं। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती और न ही अदालत के आदेशों को अपने फायदे के लिए हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है। सौरव दास ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

सीजेपी प्रवक्ता दास ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के संबंध में देश के सामने साफ सार्वजनिक वादा किया गया था, जिसका सम्मान होना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर तुरंत वापस ली जाएं और अपने आश्वासनों पर अमल करे। सीजेपी प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यदि कोई वास्तविक अपराधी खुलेआम घूम रहा है, तब पुलिस को कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत का रुख करना चाहिए, लेकिन इसतरह के मामलों को आधार बनाकर सभी एफआईआर को आगे बढ़ाना गलत है। उनके अनुसार, इससे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को भी कार्रवाई के दायरे में लाया जा सकता है और सरकार को मिली इस तरह की छूट भविष्य में दुरुपयोग का कारण बन सकती है।

सौरव दास ने कहा कि युवाओं को यह स्थिति स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल छात्र और युवा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे थे और उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। सीजेपी उन सभी प्रदर्शनकारियों के साथ मजबूती से खड़ी है, जिन्होंने अपने और देश के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन में हिस्सा लिया। उन्होंने सरकार से प्रदर्शनकारियों से किए गए सार्वजनिक वादों को पूरा करने और एफआईआर वापस लेने सहित सभी आश्वासनों को लागू करने की अपील की, चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर युवाओं में असंतोष और बढ़ सकता है।

डीएम की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जनपद के उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा उद्योग बन्धु बैठक में प्राप्त प्रकरणों पर सकारात्मक कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत उनका समाधान किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बैठक में प्रस्तुत सभी प्रकरणों का 15 दिवस के भीतर निस्तारण कर आख्या उपलब्ध कराई जाए तथा निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों एवं प्रकरणों के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। बैठक के दौरान यूपीसीडा से संबंधित विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने उपमहाप्रबन्धक (सिविल प्रथम), यूपीसीडा, गाजियाबाद सलिल यादव को यूपीसीडा एवं मुख्यालय स्तर पर स्वीकृति हेतु लंबित प्रकरणों का नियमित अनुश्रवण कर उन्हें शीघ्र निस्तारित कराने के निर्देश दिए। साथ ही साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र स्थित यदु गैस एजेंसी, साइट-4 के समीप यूपीसीडा के पार्क में अवैध कब्जे एवं अतिक्रमण की शिकायत पर उपमहाप्रबन्धक (सिविल प्रथम), यूपीसीडा एवं उपजिलाधिकारी सदर

को संयुक्त रूप से पैमाइश कराकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। विद्युत वितरण खण्ड मुरादनगर क्षेत्र में उच्चदाब विद्युत लाइन को भूमिगत किए जाने से संबंधित प्रकरण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, सिंचाई खण्ड मेरठ को लंबित अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रकरण का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं गुलधर एवं दुहाई औद्योगिक क्षेत्र के बाहर मेरठ रोड पर जल निकासी की समस्या के स्थायी समाधान के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान मुख्य अभियंता, नगर निगम गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि समस्या के स्थायी समाधान हेतु पीएनजी एवं विद्युत लाइनों के स्थानांतरण की आवश्यकता है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य अभियंता नगर निगम की अध्यक्षता में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, परियोजना प्रबन्धक आरआरटीएस, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड मुरादनगर, अधिशासी अभियंता जलकल एवं उपायुक्त उद्योग को सम्मिलित करते हुए एक समिति गठित की तथा व्यवहारिक समाधान एवं लागत अनुमान तैयार करने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्रों में स्वच्छता एवं यातायात संबंधी समस्याओं पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। यूपीसीडा औद्योगिक क्षेत्रों के निकट नगर निगम द्वारा संचालित डम्पिंग यार्ड से उत्पन्न दुर्गन्ध की समस्या पर जिलाधिकारी ने मुख्य अभियंता नगर निगम को यार्ड को पूर्णतः आवृत (कवर) करने तथा कूड़े के नियमित उठान की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिकहेड़ा रोड औद्योगिक क्षेत्र में प्रवेश द्वार के चौड़ीकरण के प्रस्ताव पर अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद मोदीनगर को केवल मार्ग चौड़ीकरण का व्यवहारिक प्रस्ताव तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त लोनी तिराहे पर नो-एंट्री अवधि के दौरान औद्योगिक क्षेत्रों में आने वाले मालवाहक वाहनों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात सुचेता सिंह को आवश्यक परीक्षण कर यथोचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने डीएम कार्यालय का घेराव, फैक्ट्री के दूषित पानी से बीमारियां फैलने की जताई आशंका

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर क्षेत्र के जसरूप नगर गांव में जलभराव की गंभीर समस्या से त्रस्त सैकड़ों ग्रामीण बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आसपास की फैक्ट्रियों से निकलने वाला रासायनिक युक्त दूषित पानी तथा लगातार हो रही बारिश का पानी गांव में भर जाने से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने और फैक्ट्रियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीण हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनका कहना था कि कई दिनों से गांव की गलियों और मुख्य मार्गों पर गंदा पानी जमा है, जिससे आवागमन बेहद कठिन हो गया है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को दूषित पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्रियों का रासायनिक युक्त पानी सीधे गांव की ओर छोड़ा जा रहा है, जिससे बारिश का पानी मिलकर स्थिति और भी गंभीर हो गई है। इसके कारण त्वचा संबंधी रोगों, पेट के संक्रमण और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा लगातार बढ़ रहा है। कई ग्रामीणों ने दावा किया कि कुछ लोग पहले से ही बीमारियों की चपेट में आ चुके हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्रदर्शन के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर जल्द समाधान का आश्वासन दिया। साथ ही संबंधित विभागों को मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करने, जलभराव के कारणों की जांच करने और शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

गंग नहर पटरी मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, हरिद्वार जा रहे तीन श्रद्धालुओं की मौत, 13 घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र में गंग नहर पटरी मार्ग पर मंगलवार देर रात श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप और ट्रक के बीच हुई भीषण भिड़ंत में तीन श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रक का पीछा कर चालक और परिचालक को हिरासत में ले लिया। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल बन गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस के अनुसार राजस्थान के खैरथल जिले के तिजारा थाना क्षेत्र के माजरी गुर्जर गांव निवासी महिपाल सिंह ने 5 जुलाई को नई पिकअप खरीदी थी। मंगलवार को वह अपने परिवार और पड़ोसियों के साथ हरिद्वार में गंगा स्नान तथा वाहन पूजन के लिए जा रहे थे। पिकअप में पांच महिलाओं सहित कुल 16 श्रद्धालु सवार थे। देर रात जब वाहन आबूपुर सोनिया विहार रेगुलेटर के पास गंग नहर पटरी मार्ग पर पहुंचा, तभी सामने से तेज गति से आ रहे ट्रक ने पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर

रतन

सरजीत, रमेश. फाइल फोटो

इतनी भीषण थी कि ट्रक पिकअप को काफी दूर तक घसीटता ले गया और उसमें बैठे लोग सड़क पर जा गिरे। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अंकित कुमार चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को मोदीनगर तथा मुरादनगर के अस्पतालों में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने 22 वर्षीय रमेश, 23 वर्षीय रतन तथा 35 वर्षीय सरजीत को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल रोहतास को दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल भेजा गया है। अन्य घायलों में अनिल, हर्षित, राजेश, जतिन, बबीता, आशा देवी, शांति और निशिका सहित कई श्रद्धालु शामिल हैं, जिन्हें उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। महिपाल सिंह ने बताया कि सड़क संकरी होने के कारण उन्होंने ट्रक चालक को हेडलाइट के माध्यम से वाहन धीमा करने का संकेत दिया था, लेकिन उसने गति कम नहीं की, जिससे यह भीषण दुर्घटना हो गई। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि ट्रक चालक छोटू लाल और परिचालक पिंटू, दोनों निवासी शाहपुरा, भीलवाड़ा (राजस्थान), को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए डीसीपी धवल जायसवाल ने रीडरों के साथ की गोष्ठी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस आयुक्तालय गाजियाबाद की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को नगर एवं ट्रांस हिंडन जोन के पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने दोनों जोन के सभी रीडरों के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। बैठक में कार्यालयी कार्यों की गुणवत्ता में सुधार, अभिलेखों के बेहतर रख-रखाव तथा पत्रावलियों के समयबद्ध निस्तारण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान डीसीपी ने रीडरों को उनके दायित्वों और जिम्मेदारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में दक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने कहा कि किसी भी प्रशासनिक इकाई की सफलता उसकी कार्यप्रणाली,

अभिलेख प्रबंधन और समयबद्ध निर्णय प्रक्रिया पर निर्भर करती है। रीडर कार्यालय और अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, इसलिए उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि अभिलेख व्यवस्थित होंगे और पत्रावलियों का निस्तारण समय पर होगा तो विभागीय कार्यों में तेजी आएगी और आमजन से जुड़े मामलों का समाधान भी अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा। बैठक के दौरान डीसीपी ने सभी रीडरों को निर्देश दिए कि कार्यालयों में उपलब्ध अभिलेखों, पत्रावलियों और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखा जाए। रिकॉर्ड प्रबंधन में किसी प्रकार की लापरवाही न केवल प्रशासनिक कार्यों को प्रभावित करती है, बल्कि आवश्यक सूचनाओं की उपलब्धता में भी बाधा उत्पन्न करती है। इसलिए प्रत्येक रीडर अपने कार्यालय के अभिलेखों की नियमित समीक्षा करे और उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थित रखे। लंबित पत्रावलियों और प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण पर भी विशेष जोर दिया। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि किसी भी फाइल या पत्रावली को अनावश्यक रूप से लंबित रखना विभागीय कार्यों की गति को प्रभावित करता है। सभी लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करते हुए उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें और विभाग की कार्यकुशलता में वृद्धि हो। गोष्ठी में कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए।

सिंभावली शुगर मिल की सीओसी समिति में किसान प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली शुगर मिल पर बकाया गन्ना मूल्य के भुगतान को लेकर किसानों ने एक बार फिर अपनी आवाज बुलंद की है। किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अमित त्यागी के नेतृत्व में गढ़ उपजिलाधिकारी श्रीराम यादव से उनके कार्यालय में मुलाकात कर राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) की प्रक्रिया के तहत गठित की जा रही ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) में किसान प्रतिनिधियों को शामिल किए जाने की मांग की। किसानों ने उपजिलाधिकारी को बताया कि सिंभावली शुगर मिल पर किसानों का लगभग 340 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य बकाया है। ऐसे में किसान मिल के प्रमुख देनदारों में शामिल हैं और उनके हितों की रक्षा के लिए सीओसी समिति में किसान प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। किसानों का कहना था कि यदि समिति में उनका प्रतिनिधित्व नहीं होगा तो गन्ना भुगतान से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों में किसानों की बात प्रभावी ढंग से नहीं रखी जा सकेगी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि गन्ना समितियों और हजारों किसानों का करोड़ों रुपये का भुगतान मिल पर लंबित है। इसलिए एनसीएलटी की पूरी प्रक्रिया में किसानों की भागीदारी आवश्यक है, ताकि उनके हित सुरक्षित रह सकें और बकाया भुगतान के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल हो सके। उपजिलाधिकारी श्रीराम यादव ने किसानों की मांग को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित स्तर पर आवश्यक कार्रवाई और शासन तक उनकी बात पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में आमिर चौधरी, शुभान फारूकी, डॉ. आदिल त्यागी, समीर खान, ब्रजमोहन त्यागी सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

अवन्तिका में स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण ध्वस्त, महरौली में 6600 वर्ग गज पर अवैध कालोनी की कोशिश नाकाम

जीडीए की बड़ी कार्रवाईः मनोज और विजया बेनीवाल के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, मौके पर हुआ भारी विरोध

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष के निदेर्शों पर अवैध निमार्णों और अवैध कालोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को Enforcement Zone-04 की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने अवन्तिका क्षेत्र में सेटबैक प्रभावित कर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर सील कर दिया। इसके साथ ही ग्राम महरौली में लगभग 6600 वर्ग गज में बिना स्वीकृति विकसित की जा रही अवैध कालोनी पर बुलडोजर चलाकर निर्माणकताओं के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण

प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार, निर्माणकर्ता मनोज बेनीवाल और विजया बेनीवाल द्वारा अवन्तिका स्थित भूखण्ड संख्या सीडी-16ए पर प्राधिकरण से पास नक्शे के विपरीत सेटबैक प्रभावित करते हुए अवैध निर्माण कराया जा रहा था।
इस मामले में प्राधिकरण ने वाद संख्या GDA/ANI/2026/0005057 दर्ज करते हुए निर्माणकर्ता

को 26 फरवरी 2026 को कारण बताओ व कार्य रोको नोटिस और 13 मार्च 2026 को स्मरण पत्र (रिमाइंडर) भेजा था। निर्माणकर्ता की ओर से कोई संतोषजनक उत्तर या साक्ष्य प्रस्तुत न किए जाने पर बुधवार को प्राधिकरण की टीम ने अतिरिक्त/अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। दोबारा निर्माण रोकने के लिए संपत्ति को मौके पर ही सील भी कर दिया गया।

महरौली में 6600 वर्ग गज अवैध प्लाटिंग का प्रयास ध्वस्त

इसके अलावा, निर्माणकताओं द्वारा ग्राम महरौली स्थित खसरा संख्या 816, 819, 820 व 821 (महागुन ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के पास) की लगभग 6600.00 वर्ग गज भूमि पर बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के अवैध कालोनी काटी जा रही थी। यहाँ मिट्टी फिलिंग कर कच्ची सड़क को एनएच-09 (NH-09) से जोड़ते हुए सीवर लाइन डालने की तैयारी चल रही थी।
इस मामले में दर्ज वाद संख्या GDA/ANI/2025/0004754 के तहत 20 नवंबर 2025 को नोटिस जारी किया गया था। निर्माणकर्ता द्वारा कोई संतोषजनक जवाब न देने पर प्राधिकरण की टीम ने बुधवार को मौके पर पहुँचकर अवैध विकास कार्य और ढाँचों को पूरी तरह ध्वस्त कर अनुपयोगी बना दिया।

भारी विरोध के बीच पुलिस बल की मौजूदगी में हुई कार्रवाई

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान निर्माणकताओं और कोलोनाइजरों ने मौके पर भारी विरोध जताया और हंगामे की स्थिति पैदा करने की कोशिश की। हालांकि, प्राधिकरण के पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और कार्रवाई जारी रखी।

टीम की उपस्थितिः

ध्वस्तीकरण की यह कार्रवाई प्रभारी प्रवर्तन जोन-04, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-04 के समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते की मौजूदगी में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।
प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध निर्माण और बिना नक्शा पास कराए काटी जा रही कालोनियों के खिलाफ सीलिंग और ध्वस्तीकरण का यह विशेष अभियान आगामी महीनों में भी इसी तरह सख्ती से जारी रहेगा।

श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक की तैयारी को लेकर एसीपी उपासना पाण्डेय ने किया निरिक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा और श्रीदूधेश्वर नाथ मंदिर में शिवरात्रि पर होने वाले जलाभिषेक को लेकर तैयारी जोरो के साथ चल रही है। बुधवार को सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली उपासना पाण्डेय ने उत्तर भारत के सबसे प्रसिद्ध श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का व्यापक जायजा लिया। इस दौरान मंदिर परिसर, दर्शन मार्ग,

भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था तथा सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से अवलोकन किया। एसीपी उपासना पाण्डेय ने संबंधित अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने मंदिर परिसर और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने, सीसीटीवी कैमरों की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। एसीपी ने कहा कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है। साथ ही यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण एवं श्रद्धामय वातावरण में संपन्न हो। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में कांवड़िया और श्रद्धालु जलाभिषेक करने के लिए पहुंचते है, इसलिए सभी की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना है।

गुरु पूजा शिष्य को सेवा, साधना और सदाचार का मार्ग दिखाती है : सतपाल महाराज

मुरादनगर (शिखर समाचार)। गंगनहर स्थित सतलोक आश्रम में मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय गुरु पूजा महोत्सव के दूसरे दिन विशाल सत्संग समारोह का आयोजन हुआ। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने सत्संग में भाग लेकर आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ प्राप्त किया। पूरे आश्रम परिसर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण का भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला। सत्संग को संबोधित करते हुए आध्यात्मिक गुरु सतपाल महाराज

ने कहा कि गुरु पूजा केवल परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि शिष्य को ध्यान, सेवा, सत्संग और गुरु की आज्ञा के पालन का संकल्प लेने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि गुरु के बताए मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति ही जीवन का वास्तविक उद्देश्य प्राप्त कर सकता है। सत्संग मनुष्य के भीतर व्याप्त ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और अन्य मानसिक विकारों को दूर करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। जब व्यक्ति नियमित रूप से सत्संग सुनता है और उसके उपदेशों को अपने जीवन में अपनाता है, तभी उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। सतपाल महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व अशांति और संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। अनेक देशों के बीच युद्ध और हिंसा के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं तथा बड़ी धनराशि विनाशकारी गतिविधियों पर खर्च हो रही है। यदि मानवता, प्रेम, करुणा और आध्यात्मिक मूल्यों का व्यापक प्रसार हो तो विश्व में स्थायी शांति और भाईचारे का वातावरण स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज आतंकवाद, हिंसा और मानव द्वारा मानव की हत्या अधर्म के आधुनिक स्वरूप हैं, जिनका समाधान केवल आध्यात्मिक जागृति और नैतिक मूल्यों के प्रसार से ही संभव है। कार्यक्रम में माता अमृता ने भी श्रद्धालुओं को प्रेरणादायी संदेश दिया। भजन गायकों की भक्तिमय प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। मंच संचालन संतोषानंद ने किया।

गुरुपूर्णिमा पर गायत्री मंदिर में यज्ञ, गुरु पूजन और भंडारे का आयोजन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर विजय मंडी स्थित गायत्री मंदिर में श्रद्धा एवं आस्था के साथ गुरु पूजन, पंचकुंडीय यज्ञ और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं तथा गुरु परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। यज्ञ के उपरांत श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म और संस्कृति की रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के प्रदीप राव ने कहा कि गुरु ही परमात्मा तक पहुंचने का एकमात्र माध्यम है। गुरु के मार्गदर्शन के बिना सच्चे ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय

संस्कृति और सनातन परंपरा का संरक्षण एवं संवर्धन समय की आवश्यकता है। जब समाज अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटेगा, तभी सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर उसका गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त होगा। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से जीवन में सदाचार, सेवा और संस्कारों को अपनाने का आह्वान किया। यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने यज्ञ दक्षिणा के रूप में अपने जीवन की एक–एक बुराई का त्याग करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अमरीश गोयल, वासुदेव अग्रवाल, रामकिशन बंधु, विनोद सोनी, सुशील गोयल, कृष्णावतार अग्रवाल, डॉ. सतेंद्र त्यागी, राजकुमार गोयल, नितिन गोयल, अनिल गोयल, गिरीश गोयल, बुद्ध प्रकाश गोयल, महेश गोयल, राहुल अग्रवाल, राकेश मोहन गर्ग, अक्षय सिंघल, शिवकुमार गोयल, राहुल सिंघल, सरला त्यागी, रमन गोयल, विजय बंसल, विकास गोयल, तरुण गोयल, सतीश गुप्ता, सुभाष गर्ग, मनोज गुप्ता, छिद्दालाल गोयल, मंगलसेन गर्ग और सुरेश कांसल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में युवक को गोली मारने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज, घायल का मेरठ में उपचार जारी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मोदीनगर हापुड़ मार्ग स्थित दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के भोजपुर अंडरपास के पास तीन दिन पहले गोली लगने से घायल हुए युवक के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल युवक का मेरठ के एक अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्रारंभिक जांच में मामला पुराने जमीनी विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार खंजरपुर गांव निवासी पंकज शर्मा तीन दिन पहले अपने साथियों संजय, राजन और अनुज फौजी के साथ कार में सवार होकर भोजपुर अंडरपास के पास मौजूद था। इसी दौरान संजय और राजन कार से नीचे उतर गए। आरोप है कि उसी समय पंकज शर्मा को गोली मार दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। पुलिस का कहना है कि पंकज के हाथ में गोली लगी है और उसकी हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है। घायल के भाई पवन शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि ग्रीन सिटी, शाहजहांपुर रोड निवासी अनुज फौजी के साथ पंकज का लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले भी झगड़ा हो चुका था। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते अनुज फौजी ने जान से मारने की नीयत से पंकज पर गोली चला दी।
पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। आरोपों के आधार पर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

छुट्टा पशु से टकराई कार, एयरबैग खुलने से चार सवार बचे

गोरखपुर, एजेंसी। पीपीगंज थाना क्षेत्र के गोरखपुर-सोनौली मार्ग पर सोमवार रात छुट्टा पशु से टकराकर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चार लोग बाल-बाल बच गए। गनीमत थी कि कार का एयरबैग खुल गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, कानपुर निवासी चार लोग कार से महाराजगंज जिले के नौतनवा जा रहे थे। रात करीब नौ बजे उनकी कार जंगल कौड़िया टोल प्लाजा के पास पहुंची, तभी अचानक सड़क पर आए छुट्टा गोवंश से कार की टक्कर हो गई। चालक ने पशु को बचाने का प्रयास किया, लेकिन कार अनियंत्रित होकर क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पीपीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क पर जुटी भीड़ को हटाकर दुर्घटनाग्रस्त कार को किनारे कराया। इसके बाद यातायात व्यवस्था सामान्य हुई। पुलिस के अनुसार कार में सवार सभी चार लोग सुरक्षित हैं। किसी को गंभीर चोट नहीं आई। सभी ने पास के निजी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर प्राथमिक उपचार कराया।

संदिग्ध हालात में खेत में पड़ा मिला युवक का शव, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

गोरखपुर, एजेंसी। बड़हलगंज थाना क्षेत्र के बैरियाखास गांव में सोमवार सुबह एक खेत में 35 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान केवटान टोला निवासी मिथिलेश साहनी (35) पुत्र रामसमुझ के रूप में हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, रविवार रात करीब साढ़े 10 बजे मिथिलेश को बैरियाखास-पिडहनी मार्ग के किनारे बैठे देखा गया था। सोमवार सुबह उसी मार्ग के पास स्थित एक खेत में उनका शव पड़ा मिला। बड़हलगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। अब पुलिस की नजर पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर है। परिजन के अनुसार, मिथिलेश अपने पिता रामसमुझ की पहली पत्नी से जन्मे तीन बच्चों में सबसे बड़े थे। पहली पत्नी के निधन के बाद मिथिलेश के पिता ने दूसरी शादी की है। मिथिलेश अपनी पत्नी और बेटी के साथ मुंबई रहते थे। बताया जा रहा है कि वहां नशे की लत लग गई, जिसके बाद मिथिलेश को घर लाया गया। उनकी पत्नी बेटी को पढ़ाने के लिए बीते जून माह में वापस मुंबई चली गईं। परिजन का कहना है कि गांव आने के बाद भी मिथिलेश नशीले पदार्थों का सेवन करते थे। एसपी साउथ दिनेश कुमार पुरी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

केजीएमयू में फिर से हेपेटाइटिस बी-सी वायरल लोड जांच ठप

लखनऊ, एजेंसी। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में फिर से हेपेटाइटिस वायरल लोड की जांच ठप हो गई है। किट न होने के कारण मरीजों को जांच के लिए निजी केंद्रों पर जाना पड़ रहा है, जहां उन्हें महंगी दर पर जांच करानी पड़ रही है। करीब दो महीने पहले भी संस्थान में यह संकट आया था। केजीएमयू में रोजाना करीब 40 से 50 मरीजों को हेपेटाइटिस वायरल लोड जांच लिखी जाती है। नोडल सेंटर होने के कारण कई अन्य जिलों से भी सैंपल जांच के लिए यहां आते हैं। ऐसे में लैब में रोजाना 70 से 90 सैंपल की जांच होती है। जांच के लिए एनएचएम से बजट मिलता है। बजट काफी समय से नहीं मिलने के कारण जांच किट खत्म हो गई है। इसके चलते ओपीडी में सैंपल कलेक्शन पर रोक लगा दी गई है। विभागों से भी सैंपल न लेने के निर्देश जारी किए गए हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, हेपेटाइटिस बी और सी के मरीजों के लिए वायरल लोड जांच बेहद जरूरी है। इसी रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर दवा की डोज तय करते हैं और इलाज की निगरानी करते हैं, मगर अब जांच फिर ठप हो गई है। मरीजों को मजबूरी में 2500 से 3500 रुपये देकर निजी पैथ लैब में जांच करानी पड़ रही है। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. केके सिंह के मुताबिक, जांच किट की व्यवस्था कराकर अगले माह से जांच शुरू कराई जाएगी, ताकि मरीजों को परेशानी न हो।

आवाज में बदलाव, निगलने में दिक्कत या गर्दन में गांठ को न करें नजरअंदाज

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ। विश्व हेड एंड नेक कैंसर दिवस पर कैंसर संस्थान में सोमवार को जागरूकता कार्यक्रम हुआ। डीन डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता ने बताया कि आधुनिक रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी से हेड एंड नेक कैंसर का प्रभावी इलाज संभव है। उन्होंने मुंह में घाव, आवाज में बदलाव, निगलने में दिक्कत या गर्दन में गांठ जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। संस्थान के निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट ने कहा कि हेड एंड नेक कैंसर के अधिकांश मामले तंबाकू और धूम्रपान से जुड़े होते हैं। तंबाकू से दूरी बनाकर और नियमित स्क्रीनिंग कराकर इस बीमारी को काफी हद तक रोका जा सकता है। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की सीनियर रेजिडेंट डॉ. प्रियंका ने आधुनिक सर्जरी की तकनीकों की जानकारी दी। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग की डॉ. रूमीता सिंह ने प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया और मरीजों और उनके परिजनों की शंकाओं का समाधान किया।

अब सीए के जरिये ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन की होगी गहन जांच

एसआईटी में किया जाएगा शामिल

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में अब चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) के जरिए ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन, मतलब पूरे आय-व्यय की गहनता से जांच की जाएगी। अब तक इस पहलू को एसआईटी ने बारीकी से नहीं देखा था। जल्द शासन आईपीएस की अध्यक्षता में गठित एसआईटी में सीए को शामिल करेगा।

पहली एसआईटी की सिफारिश पर ही एफआईआर हुई थी। जिन लोगों को चिह्नित किया था, वे सभी जेल भेजे गए थे। अयोध्या पुलिस केस की विवेचना कर रही है। इसके पहले की एसआईटी आईएएस की अध्यक्षता में गठित की गई थी, जिसमें एक आईपीएस व विशेष वित्त सचिव शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आईपीएस किरण एस. की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की गई, जिसमें अयोध्या रेंज के आईजी आईपीएस सोमेन बर्मा व अयोध्या के एसएसपी आईपीएस डॉ. गौरव ग्रोवर को शामिल किया गया। अब सुप्रीम कोर्ट ने मामले की तह तक जाने के लिए एसआईटी में सीए को शामिल करने का आदेश दिया है।

दरअसल, एसआईटी ने चोरी की घटना को केंद्र में रखकर ही जांच की है। उसी पहलू पर पुलिस की विवेचना भी चल रही है। चूंकि मामला बेहद संवेदनशील है और राम मंदिर से जुड़ा है, इसलिए ट्रस्ट के आय-व्यय की बारीकियों की जांच अहम है। यही वजह है कि कोर्ट ने सीए को शामिल करने का आदेश दिया। अब अगले दो सप्ताह तक नई एसआईटी जांच करेगी। संभावना है कि इस जांच में कई अहम और बड़े तथ्य उजागर हो सकते हैं।

अगर गड़बड़ी मिली तो फिर बढ़ेगा जांच का दायरा

अब तक जो जांच हुई, उसमें स्पष्ट हुआ था कि दान राशि की गणना के दौरान ही रकम पार की जाती रही थी। लेकिन अब जो जांच होगी, उसमें ट्रस्ट के गठन से लेकर अब तक के ऑडिट की जांच की जाएगी। हालांकि पहली एसआईटी ने इस पहलू पर जांच की थी, लेकिन उसमें बहुत गहनता से जांच नहीं की गई थी। अब इस पहलू की तफ्तीश बेहतर ढंग से होगी। अगर इसमें किसी तरह की गड़बड़ी पाई जाती है, तो ट्रस्ट के कोष के जिम्मेदार भी जांच की जद में आएंगे।

एसआईटी ने शुरू की जांच

चूंकि नई एसआईटी में अयोध्या आईजी व एसएसपी अयोध्या हैं, ऐसे में उन्हें मामले की पूरी जानकारी पहले से ही है। एसएसपी के पर्यवेक्षण में ही केस की विवेचना चल रही है। लिहाजा, हर एक तथ्य से वे वाकिफ हैं। अब एसआईटी के तौर पर दोनों अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। पहली एसआईटी की जांच में जो तथ्य आए हैं, उनसे संबंधित दस्तावेज ले लिए हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट को भी शामिल कर लिया है। एक-दो दिन में एसआईटी के अध्यक्ष आईजी रेंज, लखनऊ भी अयोध्या जा सकते हैं।

दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय में किया पेश

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। अपराधियों की धरपकड़ और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सिंभावली थाना पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में वांछित चल रहे नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर दबोचा और न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त शादाब उर्फ समीर, निवासी थाना सिंभावली क्षेत्र, काफी समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी हरोड़ा कोठी जाने वाले मार्ग पर नहर पटरी तिराहे के पास मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और बिना किसी प्रतिरोध के अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।

थाना पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध दर्ज प्रकरण में आवश्यक पूछताछ की जा रही है। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं से जुड़े अपराधों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस ने बताया कि जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जिसके तहत फरार और वांछित अभियुक्तों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा रही है।

लखनऊ की पहली महिला पत्रकार मेहरू जाफर का निधन, पत्रकारिता जगत में शोक की लहर

लखनऊ (शिखर समाचार) वरिष्ठ पत्रकार, लेखिका और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी सक्रिय हस्ती मेहरू जाफर का गोवा में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पत्रकारिता जगत, साहित्यिक क्षेत्र और सामाजिक संगठनों में शोक की लहर दौड़ गई। मेहरू जाफर को लखनऊ की पहली महिला पत्रकार होने का गौरव प्राप्त था। उन्होंने सत्तर के दशक की शुरूआत में पत्रकारिता के क्षेत्र में कदम रखकर उस समय महिलाओं के लिए नए रास्ते खोले, जब इस क्षेत्र में उनकी भागीदारी बेहद सीमित थी।

मेहरू जाफर पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय रहीं और कई पुस्तकों का लेखन भी किया। वर्ष 1978 में इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के चित्रकूट सम्मेलन के प्रमुख आयोजकों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उन्होंने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में निष्पक्ष, संवेदनशील और जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता की पहचान बनाई।

मेहरू जाफर के निधन पर उत्तर प्रदेश वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी, महामंत्री देवराज सिंह, इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष गोपाल मिश्र, मंत्री विश्वदेव राव, उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार सिंह तथा यूनियन की लखनऊ इकाई के अध्यक्ष शिव शरण सिंह ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने उनके निधन को पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि मेहरू जाफर के साथ ही सीमा मुस्तफा और ललिता सुब्राह्मण्यम ने भी लखनऊ में महिला पत्रकारों की नई पहचान स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मेहरू जाफर का योगदान लंबे समय तक पत्रकारिता जगत को प्रेरित करता रहेगा।

14 साल बाद प्रबल हत्याकांड में आया फैसला, सात दोषी करार; 31 जुलाई को होगी सजा पर सुनवाई

बिजनौर (शिखर समाचार) जनपद के बहुचर्चित प्रबल हत्याकांड में 14 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए सभी सात आरोपियों को दोषी करार दिया है। फास्ट ट्रैक न्यायालय (द्वितीय) के न्यायाधीश डॉ. शहजाद अली ने बुधवार को सुनवाई पूरी करते हुए मामले में अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सातों अभियुक्तों को दोषसिद्ध पाया। न्यायालय अब 31 जुलाई को दोषियों की सजा पर अपना निर्णय सुनाएगा।

यह मामला 19 दिसंबर 2012 का है, जब शहर कोतवाली क्षेत्र में अग्रसेन जयंती समारोह के दौरान मामूली कहासुनी के बाद प्रबल नामक किशोर की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पुलिस ने विवेचना पूरी कर संजय गुप्ता, विनय अग्रवाल, अपूर्व अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, राहुल गुप्ता और आशीष उर्फ आशु के विरुद्ध आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया था। करीब 14 वर्षों तक चली सुनवाई, गवाहों के बयान और विभिन्न कानूनी प्रक्रियाओं के बाद अदालत ने सभी सातों आरोपियों को दोषी ठहराया।

इस हत्याकांड ने एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया था। इकलौते बेटे प्रबल की मौत के बाद उसके माता-पिता सुमन और आलोक अग्रवाल का भी निधन हो गया। परिवार में केवल बहन प्राची बचीं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद पूरे मामले की लगातार पैरवी की। अदालत के फैसले के बाद भावुक प्राची ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा विश्वास था और आखिरकार उनके भाई को न्याय मिला है। अब पूरे जनपद की निगाहें 31 जुलाई पर टिकी हैं, जब अदालत दोषियों को सुनाई जाने वाली सजा का ऐलान करेगी।

गुरु पूर्णिमा पर गंगा तटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। श्रावण मास प्रारंभ होने से एक दिन पूर्व गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर तीर्थ नगरी ब्रजघाट, पूठ तथा गढ़ गंगा खादर के कच्चे स्नान घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा अपने गुरुजनों का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। तड़के सुबह से ही गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था और दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों एवं पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने ब्रजघाट स्थित विभिन्न मंदिरों में दर्शन-पूजन किया और अपनी श्रद्धा एवं सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र तथा अन्य सामग्री का दान भी किया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अनेक स्थानों पर धार्मिक आयोजन और भंडारों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। श्रद्धालुओं के जयघोष और धार्मिक वातावरण से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन तथा नगर पालिका की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। गंगा में सुरक्षित स्नान के लिए बैरिकेडिंग की विशेष व्यवस्था की गई, जबकि घाटों और प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल लगातार तैनात रहा। अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरे दिन व्यवस्थाओं की निगरानी की, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग और मुख्य मार्गों पर इस बार यातायात सुचारु बना रहा तथा जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। श्रावण मास के मद्देनजर पूर्णिमा से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया है, जिसके चलते तीर्थ नगरी में धार्मिक गतिविधियां और अधिक तेज हो गई हैं।

भीषण उमस के बाद भी बारिश कम

अलीगढ़ , एजेंसी। अल-नीनो के असर से जबरदस्त उमस तो हो रही है, लेकिन बारिश बहुत कम हो रही है। सोमवार को हवा में नमी 80 से 85 फीसदी तक रहने के कारण लोग पसीने वाली गर्मी से बेचैनी महसूस करते रहे। देर रात तक यही स्थिति बनी रही। सुबह और दोपहर के बाद शाम को भी थोड़ी देर के लिए पानी बरसा, लेकिन गर्मी से राहत नहीं मिली। एएमयू के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अहमद मुज्तबा ने बताया कि अल-नीनो के प्रभाव से अलीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में मानसून कमजोर पड़ गया है।

बादलों की आवाजाही और उच्च नमी के कारण भीषण उमस है, लेकिन उस अनुपात में बारिश नहीं हो रही है। प्रशांत महासागर में अल-नीनो की सक्रियता से हवाओं की नमी और गति प्रभावित हुई है, जिससे बारिश कम हो रही है। इन परिस्थितियों में मानसून की बारिश रुक-रुक कर अक्तूबर-नवंबर तक ऐसे ही होती रहेगी।

अल-नीनो : यह एक प्राकृतिक जलवायु परिवर्तन घटनाक्रम है, जिसमें प्रशांत महासागर का सतही जल सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है और हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं। प्रशांत महासागर का तापमान एक से तीन डिग्री तक बढ़ जाता है। गर्म पानी ऑस्ट्रेलिया और एशिया की बजाय दक्षिण अमेरिका की ओर फैल जाता है, जिससे भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर हो जाता है। बारिश सामान्य से कम होती है।

प्रेमी संग भाग रही थी पत्नी, पति ने रंगेहाथ दबोचा, पेड़ से लटका मिला शव

कानपुर, एजेंसी। इटावा जिले में फ्रेंड्स कॉलोनी के जुगरामऊ गांव में शादी के 20 दिन बाद युवक ने सोमवार सुबह फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से एक दिन पहले रविवार को युवक का अपनी पत्नी से प्रेम-प्रसंग को लेकर विवाद हुआ था। परिजन का आरोप है कि बहू बाजार से अपने प्रेमी के साथ जाने का प्रयास कर रही थी, तभी बेटे ने उसे मौके पर पकड़ लिया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। संवाद न्यूज एजेंसी वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। पति की मौत के बाद पत्नी ने भी नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने हंगामा किया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच शुरू की है।

व्हाट्सएप पर लोकेशन भेजकर प्रेमी को बुलाया : जुगरामऊ निवासी अंकित कुशवाहा (25) की शादी सात जुलाई को खुशबू से हुई थी। बड़े भाई राजेश कुशवाहा ने बताया कि रविवार को अंकित पत्नी को कपड़े दिलाने बाजार लेकर गया था। खुशबू अपने पर्स में जेवर लेकर गई थी। उसने प्रेमी को व्हाट्सएप पर लोकेशन भेजकर पुराना बस स्टैंड के पास बुलाया था। बस स्टैंड पर उसने अंकित को लस्सी लेने भेज दिया।

पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या की : अंकित के लस्सी लेने जाते ही प्रेमी बाइक लेकर पहुंचा और खुशबू उसके साथ बैठने लगी। अंकित ने पीछे मुड़कर देखा और दौड़कर पत्नी को पकड़ लिया। इस दौरान कथित प्रेमी बाइक लेकर फरार हो गया और अंकित ने पत्नी की पिटाई कर दी। इस दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सोमवार को करीब दस बजे अंकित ने पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या की।

महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई : पति की मौत की जानकारी मिलने पर खुशबू ने नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने हंगामा किया। स्वास्थ्यकर्मियों ने उपचार के लिए नाक में नली डालने का प्रयास किया, तो उसने नली डलवाने से इन्कार कर दिया। डॉक्टर ने उसे समझाकर उपचार शुरू किया। एहतियात के तौर पर जिला अस्पताल में उसके पास महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

जयमाला की फोटो दिखाने पर भीड़ ने अंकित को छोड़ा : भाई राजेश ने आरोप लगाया कि भीड़ के सामने खुशबू ने कहा कि वह अंकित को नहीं जानती। इस पर लोगों ने अंकित को घेर लिया। इसके बाद अंकित ने अपनी शादी की जयमाल वाली फोटो मोबाइल में दिखाकर बताया कि खुशबू उसकी पत्नी है। फोटो देखने के बाद लोगों ने उसे छोड़ दिया। इसके बाद अंकित पत्नी को लेकर घर लौट आया।

स्टांप पेपर पर समझौता छोड़ने की बात तय हुई थी : घटना के बाद दोनों परिवारों के बीच बातचीत हुई। आरोप है कि खुशबू के मायके पक्ष ने उससे रिश्ता न तोड़ने और पुलिस में शिकायत न करने की गुहार लगाई। सोमवार को स्टांप पेपर पर समझौता कर खुशबू को छोड़ने की बात तय हुई थी। राजेश का कहना है कि रविवार की घटना से अंकित मानसिक रूप से बेहद परेशान था और पूरी रात तनाव में था।

भाई का आरोप-नींद की गोलियां साथ में लेकर आई थी : राजेश ने आरोप लगाया कि खुशबू अपने मायके से पहले ही नींद की गोलियों के पत्ते साथ लेकर आई थी। पुलिस इसकी भी जांच कर रही है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही गांव में बड़ी संख्या में लोग जुट गए। अंकित दो भाइयों में छोटा था और परिवार के साथ खेती-बाड़ी कर अपना जीवनयापन करता था।

मां और दादी की भी तबीयत बिगड़ी

उसके पिता लल्लन सिंह कुशवाहा भी किसान हैं। घटना का असर दोनों परिवारों पर पड़ा। खुशबू की मां कृष्णमूर्ति और दादी की भी तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। राजेश ने बताया खुशबू का मायका बकेवर के नौधना में है, उसका प्रेमी भी बकेवर क्षेत्र का ही है। अंकित का ननिहाल भी नौधना में है।

प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा है। वायरल वीडियो, परिजन के आरोप, दोनों पक्षों के बयान और अन्य साक्ष्यों को जांच में शामिल किया जा रहा है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छात्रवृत्ति योजनाओं में समयबद्ध सत्यापन पर जोर, पात्र विद्यार्थियों को हर हाल में मिले लाभ

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद में संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी संचालन, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) नेहा सिंह ने की। बैठक में विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, उनके सत्यापन, अग्रसारण तथा स्वीकृति की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नेहा सिंह ने स्पष्ट कहा कि पात्र छात्र-छात्राओं के आवेदनों का निर्धारित समय सीमा के भीतर सत्यापन एवं अग्रसारण हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने तथा शासन की समय सीमा का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी कहा गया कि छात्रवृत्ति योजनाओं का उद्देश्य

आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र लाभार्थी तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने पर भी विशेष बल दिया गया। बैठक में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश कुमार सिसोदिया, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुनीता मंडार, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न महाविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

ई-लॉटरी से मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के 28 लाभार्थियों का चयन

बिजनौर (शिखर समाचार) मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना (नंदबाबा दुग्ध मिशन) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद के पात्र लाभार्थियों का चयन बुधवार को विकास भवन सभागार में ई-लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत किया गया। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित चयन प्रक्रिया में योजना के लिए प्राप्त आवेदनों का परीक्षण करने के बाद पात्र अभ्यर्थियों में से लाभार्थियों का चयन किया गया। योजना के तहत जनपद से ऑनलाइन पोर्टल पर कुल 239 आवेदन प्राप्त हुए थे। संबंधित अधिकारियों द्वारा सभी आवेदनों की जांच के बाद 154 आवेदन पात्र पाए गए। पात्र आवेदकों में से ई-लॉटरी के माध्यम से 28 लाभार्थियों का चयन किया गया। चयनित लाभार्थियों में 14 महिलाएं और 14 पुरुष शामिल हैं। इस प्रकार योजना में महिला और पुरुष दोनों की समान भागीदारी सुनिश्चित करते हुए संतुलित चयन किया गया। चयन प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना का उद्देश्य स्वदेशी नस्ल की गायों के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देना, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना तथा पशुपालकों की आय में इजाफा करना है। योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को सरकार की ओर से निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ पशुपालन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी (नंदबाबा दुग्ध मिशन) विजय सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल, जिला विकास अधिकारी तथा चयन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा आस्था के साथ सामाजिक एकता का प्रतीक, निकाय अध्यक्षों ने सौहार्द बनाए रखने का लिया संकल्प

कांधला/शामली। (शिखर समाचार) आगामी कांवड़ यात्रा, महाशिवरात्रि और अन्य प्रमुख त्योहारों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से स्थानीय निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन शामली की बैठक कांधला में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद शामली के अध्यक्ष अरविंद संगल ने की। बैठक में जिले के विभिन्न नगर पालिका और नगर पंचायत अध्यक्षों ने कांवड़ यात्रा को आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और प्रशासन के सहयोग से सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में सभी निकायों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई, पेयजल, पथ प्रकाश, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा शांति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही निकायों में गुणवत्ता प्रबंधन, पर्यावरण प्रबंधन और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए आईएसओ प्रमाणन कराने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।

अरविंद संगल ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक समन्वय का भी प्रतीक है। उन्होंने सभी निकायों से अपने-अपने क्षेत्रों में शांति समितियों को सक्रिय कर प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए यात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया। नगर पालिका परिषद कांधला के अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने कहा कि त्योहारों के दौरान सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाए रखना सभी स्थानीय निकायों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में नगर पालिका परिषद कैराना के अध्यक्ष शमशाद अंसारी, नगर पंचायत ऊन के अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, नगर पंचायत गढ़ीपुख्ता के अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुज चौधरी, नगर पंचायत बनत के अध्यक्ष प्रतिनिधि धर्मवीर सिंह, नगर पंचायत एलम के अध्यक्ष प्रतिनिधि अश्वनी राजबीर सिंह, नगर पंचायत थानाभवन के अध्यक्ष प्रतिनिधि हाजी राव जमशैद तथा नगर पंचायत जलालाबाद के अध्यक्ष जहीर मलिक सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कौशल विकास से आत्मनिर्भरता का रास्ता होगा मजबूत: हाजी शाहनवाज

खतौली/मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार) बुआड़ा रोड स्थित कौशल विकास प्रशिक्षण संस्थान के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि मां ही प्रत्येक व्यक्ति की पहली गुरु होती है। बचपन में मां से मिले संस्कार ही जीवनभर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं और उसके व्यक्तित्व की नींव मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि परिवार और गुरु के संस्कार ही युवाओं को सही दिशा देकर उन्हें समाज का जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि वर्तमान समय में कौशल आधारित शिक्षा और प्रशिक्षण युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण को गंभीरता और लगन के साथ पूरा करने का आह्वान करते हुए कहा कि जो छात्र पूरी मेहनत और समर्पण के साथ कौशल सीखेंगे, वे निश्चित रूप से जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे और आत्मनिर्भर बनेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सत्येंद्र आर्य ने की। उन्होंने भी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कौमी एकता कमेटी के अध्यक्ष अशोक शर्मा, संस्थान के संचालक तस्वीर चपराणा, स्थानीय संचालक राजकुमार सैनी तथा सुरेश फौजी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कौशल विकास को युवा सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बताया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण संस्थान युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर पतंजलि योग परिवार ने किया यज्ञ, संकीर्तन और सामूहिक ध्यान

जेवर (शिखर समाचार) गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति, जेवर के तत्वावधान में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यज्ञ, संकीर्तन और सामूहिक ध्यान के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित किया गया। बड़ी संख्या में साधकों और साधिकाओं ने भाग लेकर गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रभारी के नेतृत्व में महिला पतंजलि योग समिति की महामंत्री ज्योति सिंघल, कोषाध्यक्ष रेणु गोयल तथा संवाद प्रभारी सुनीता जैन की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ से हुआ। इसके बाद भजन-कीर्तन और सामूहिक ध्यान का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु ही अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं तथा जीवन को सही दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि नियमित योग, ध्यान और प्राणायाम से मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है। गुरु पूर्णिमा केवल गुरु के प्रति सम्मान प्रकट करने का पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आध्यात्मिक उन्नति का भी अवसर है। कार्यक्रम के समापन पर सभी साधकों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर पूजा वर्मा, नीलम, आशा शर्मा, निशा जैन, राधा गोयल, सोनम, सुनीता सहित अनेक साधक एवं साधिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला पतंजलि योग समिति, जेवर की पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बाबा दयालदास मंदिर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

शामली (शिखर समाचार) बाबा दयालदास मंदिर स्थित पतंजलि योग कक्षा में गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ से हुआ, जिसमें योग साधकों और श्रद्धालुओं ने आहुति अर्पित कर समाज, राष्ट्र और विश्व के कल्याण की कामना की। धार्मिक वातावरण में आयोजित कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया गया।

हवन-यज्ञ के उपरांत आयोजित सम्मान समारोह में योग शिक्षक सतीश तयाल का पुष्पमाला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गुरु जीवन को सही दिशा देने वाले, अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाले तथा संस्कारों का मार्ग दिखाने वाले होते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है और गुरु के मार्गदर्शन से ही व्यक्ति का व्यक्तित्व निखरता है तथा जीवन सफल बनता है।

कार्यक्रम में उपस्थित योग साधकों ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर विचार साझा करते हुए नियमित योग, अनुशासित जीवनशैली और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। समारोह में रोबिन गर्ग, विनोद, डॉ. गौरव, विजय, राजवीर, इंद्रपाल प्रधान, सतपाल, जोगेंद्र प्रधान, सतवीर, कंवरपाल, अनिल, रामचरन, सुरेश, पंकज, केपी सिंह, प्रताप सहित बड़ी संख्या में योग साधक एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस दौरान सभी ने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा का विशेष अभियान, मंदिरों में पुजारियों का सम्मान कर परंपरा निभाई

शामली (शिखर समाचार) गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशव्यापी अभियान के तहत मंदिरों में पूजा-अर्चना एवं पुजारियों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत सांसदों, विधायकों, जिला पंचायत अध्यक्षों, ब्लॉक प्रमुखों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों के मंदिरों में पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया तथा पुजारियों को शाल, पटका, चादर और गुरु दक्षिणा भेंट कर सम्मानित किया।

इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रामजीलाल के निर्देश पर शामली जनपद के नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान मंदिरों में सेवा दे रहे पुजारियों के सम्मान के साथ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण का संकल्प भी दोहराया गया। शामली नगर में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अरविंद संगल ने सदाशिव मंदिर (रेलपार) और विश्वकर्मा मंदिर (धीमानपुरा) में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने दोनों मंदिरों के पुजारियों का सम्मान करते हुए गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। अरविंद संगल ने कहा कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन पर्व है। उन्होंने कहा कि समाज की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए नई पीढ़ी, युवाओं और बच्चों को गुरु एवं संत परंपरा के महत्व से अवगत कराना आवश्यक है, ताकि भारतीय संस्कार और परंपराएं निरंतर आगे बढ़ती रहें।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने गुरुजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए समाज में सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

माटीकला जागरूकता कार्यक्रम में स्वरोजगार योजनाओं की दी जानकारी, उद्यमिता को मिला बढ़ावा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) माटीकला बोर्ड स्थापना पखवाड़ा के अवसर पर बुधवार को केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), गौतमबुद्धनगर परिसर में जिला ग्रामोद्योग विभाग की ओर से माटीकला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माटीकला उद्योग से जुड़े कारीगरों, उद्यमियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, ऋण सुविधाओं, अनुदान तथा स्वरोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में जिला अग्रणी प्रबंधक, केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक, वित्तीय साक्षरता केंद्र के वरिष्ठ काउंसलर, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ज्योति रानी, प्रबंधक पारस भाटिया, अनुदेशक मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ज्योति रानी ने माटीकला बोर्ड की योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से इनका लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। प्रबंधक पारस भाटिया ने मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना तथा निःशुल्क टूल किट वितरण योजना की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी।

वित्तीय साक्षरता केंद्र के वरिष्ठ काउंसलर उमाकांत यादव ने बैंकिंग सेवाओं, सुरक्षित डिजिटल लेनदेन और वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिला अग्रणी प्रबंधक ने विभिन्न बैंक ऋण योजनाओं की जानकारी देते हुए युवाओं को स्वयं का उद्योग स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में माटीकला रोजगार योजना से लाभान्वित उद्यमी राधा ने अपनी सफलता की कहानी साझा की, जबकि उद्यमी देवीराम ने विद्युत चालित चाक पर मिट्टी के विभिन्न आकर्षक बर्तनों का सजीव प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को पारंपरिक शिल्प की उपयोगिता से अवगत कराया। अंत में केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

खेत से लौट रहे युवक व उसकी मां से मारपीट, दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जेवर (शिखर समाचार) कोतवाली क्षेत्र के गांव अलीअहमदपुर में खेत से घर लौट रहे एक युवक और उसकी मां के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव अलीअहमदपुर निवासी दिनेश ने तहरीर देकर बताया कि सोमवार रात करीब आठ बजे वह अपने खेत से घर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में उन्हें मोनू और उसके साथ एक अज्ञात व्यक्ति मिला। दोनों ने पुरानी रंजिश अथवा किसी अन्य कारण से उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए हमले में दिनेश घायल हो गए और उन्होंने शोर मचाकर सहायता की गुहार लगाई। शिकायत के अनुसार शोर सुनकर दिनेश की मां मौके पर पहुंचीं और बीच बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद से वह भय के माहौल में जी रहा है और आरोपियों से जान माल का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी मोनू तथा एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जमीन पर कब्जे के प्रयास का आरोप, विरोध करने पर मारपीट व जान से मारने की धमकी

जेवर (शिखर समाचार) कोतवाली क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। गाजियाबाद के लोनी निवासी एक व्यक्ति ने अलीगढ़ के रहने वाले तीन लोगों पर उसकी भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास करने तथा विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार लोनी निवासी श्रीकांत ने शिकायत में बताया कि गांव झुप्पा स्थित उसकी भूमि पर अलीगढ़ निवासी घनश्याम कथित रूप से दबंगई के बल पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहा था। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी ने अपने साथी चंद्रपाल और सूबे के साथ मिलकर उनके साथ गाली-गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान तीनों ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर घनश्याम, चंद्रपाल और सूबे के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। भूमि संबंधी अभिलेखों सहित अन्य तथ्यों का परीक्षण किया जाएगा। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील भी की है।

सुकन्या समृद्धि योजना की किश्तें हड़पने का आरोप, पोस्टमास्टर के खिलाफ ग्रामीणों ने की शिकायत

रबूपुरा (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव रौनीजा स्थित शाखा डाकघर के शाखा पोस्टमास्टर पर सुकन्या समृद्धि योजना और आवर्ती जमा (आरडी) योजना की किश्तों की रकम लेकर गायब होने का आरोप लगा है। ग्रामीणों ने मुख्य डाकघर पहुंचकर मामले की शिकायत करते हुए आरोपी शाखा पोस्टमास्टर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और जमा धनराशि सुरक्षित कराने की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद डाक विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीण बलबीर और अन्य लोगों का कहना है कि उन्होंने अपनी बेटियों के नाम भारत सरकार की सुकन्या समृद्धि योजना तथा आवर्ती जमा योजना के अंतर्गत खाते खुलवा रखे हैं। प्रत्येक माह वे निर्धारित किश्त की राशि गांव के शाखा पोस्टमास्टर दीपांशु डागर को जमा कराते थे। आरोप है कि पोस्टमास्टर राशि लेने के बाद पासबुक में प्रविष्टि कर उसे वापस कर देता था। ग्रामीणों के अनुसार जून माह की किश्त की राशि भी उन्होंने पोस्टमास्टर को सौंप दी थी, लेकिन अब तक न तो वह राशि संबंधित खातों में जमा की गई और न ही पासबुक वापस की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि हजारों रुपये लेने के बाद से शाखा पोस्टमास्टर गांव नहीं आया है और उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। इससे खाताधारकों में चिंता और आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि उनकी जमा धनराशि का गबन किया गया है तथा दोषी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्य डाकघर के अधिकारियों ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद पूरे प्रकरण की जांच प्रारंभ कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुजनों का सम्मान, विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जताई कृतज्ञता

दादरी (शिखर समाचार) नगर के रेलवे रोड स्थित शैफाली पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कविता, भाषण तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रोमिता शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा, संस्कार और चरित्र निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करना आवश्यक है। गुरु के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही विद्यार्थी अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचकर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करते हैं तथा राष्ट्र की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर आधारित प्रेरणादायी भाषण प्रस्तुत किए और कविताओं के माध्यम से अपने गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़े रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक मनीष गर्ग, मोनिका शर्मा, चेतना, तौसी, मनीषा, हर्षिता, लकी सहित विद्यालय का समस्त शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय स्टाफ उपस्थित रहा। अंत में सभी ने गुरुजनों का सम्मान कर उनके प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त की।

गुरु पूर्णिमा पर मेपल्स कॉलेज में कार्यशाला, शिक्षा में नैतिक मूल्यों पर दिया गया जोर

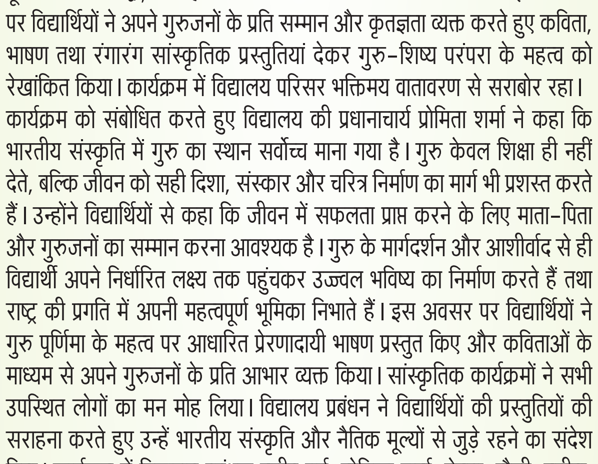

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) कस्बे के कांधला रोड स्थित मेपल्स हायर एजुकेशन गर्ल्स कॉलेज में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गुरु की महिमा, भारतीय संस्कृति में उनके महत्व तथा जीवन निर्माण में उनकी भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए संस्था की अध्यक्ष अनन्या गर्ग ने कहा कि एक श्रेष्ठ गुरु ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं का विकास करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं से गुरुजनों के मार्गदर्शन का सम्मान करते हुए जीवन में सदैव अच्छे संस्कार अपनाने का आह्वान किया।

महाविद्यालय की निदेशक दिव्या जैन ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल शिक्षा प्रदान नहीं करते, बल्कि अपने शिष्यों के व्यक्तित्व का निर्माण कर उन्हें जीवन में सफलता, संस्कार और सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण, निष्ठा और उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित विचार प्रस्तुत कर गुरुजनों के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मधु दीक्षित सहित समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ उपस्थित रहा।

संपादकीय

संसद की गरिमा और लोकतंत्र की जिम्मेदारी

लोकसभा में एंटी पेपर लीक विधेयक पर हुई चर्चा ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र के सामने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या संसद केवल राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का मंच बनकर रह जाएगी, या फिर वह जनहित के गंभीर मुद्दों पर सार्थक विमर्श का सर्वोच्च संस्थान बनी रहेगी। 29 जुलाई 2026 को सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन चलाने और कठोर बल प्रयोग का आदेश देने का आरोप लगाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि गृहमंत्री छात्रों के प्रश्नों का सामना करने से बच रहे हैं। इस बयान के तुरंत बाद सत्ता पक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने आरोपों को निराधार बताते हुए राहुल गांधी से सदन में माफी मांगने की मांग की। सरकार का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी नहीं हुई और केवल आंसू गैस का प्रयोग किया गया, जबकि विपक्ष लगातार छात्रों के साथ कथित अत्यधिक बल प्रयोग की स्वतंत्र जांच और जवाबदेही की मांग कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने संसद का वातावरण फिर से टकरावपूर्ण बना दिया।

दरअसल, इस विवाद की जड़ केवल एक बयान नहीं है। इसके पीछे वह व्यापक असंतोष है जो परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों, युवाओं की नाराजगी और उनके आंदोलनों से पैदा हुआ है। लाखों छात्र वर्षों की मेहनत के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। जब प्रश्नपत्र लीक होते हैं तो केवल परीक्षा रद्द नहीं होती, बल्कि युवाओं का विश्वास भी टूटता है। यही कारण है कि एंटी पेपर लीक कानून पर चर्चा स्वाभाविक रूप से देश के सबसे महत्वपूर्ण विषयों में शामिल थी। ऐसे समय में संसद से अपेक्षा थी कि वह समाधान, जवाबदेही और सुधार की दिशा में ठोस बहस प्रस्तुत करती।

लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि सरकार से कठिन प्रश्न पूछना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल आरोपों का खंडन करना नहीं, बल्कि यदि किसी घटना को लेकर गंभीर आशंकाएं उठती हैं तो तथ्यों के साथ उनका उत्तर देना भी है। यदि किसी सांसद द्वारा सदन में गंभीर आरोप लगाए जाते हैं तो उनके समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत किए जाने चाहिए। दूसरी ओर यदि सरकार उन आरोपों को पूरी तरह असत्य बताती है तो उसे भी पारदर्शी ढंग से घटनाक्रम का पूरा विवरण सार्वजनिक करना चाहिए। लोकतंत्र में सत्य का निर्धारण केवल राजनीतिक बहुमत से नहीं, बल्कि प्रमाण, जांच और संस्थागत विश्वसनीयता से होता है। इस पूरे विवाद का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष संसद की कार्यसंस्कृति है। पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि सदन में तीखे व्यक्तिगत आरोप, कटाक्ष और राजनीतिक टकराव मुख्य चर्चा पर हावी हो जाते हैं। परिणाम यह होता है कि जिस विधेयक पर घंटों गंभीर बहस होनी चाहिए, उसकी जगह सुर्खियां केवल राजनीतिक बयान ले लेते हैं। एंटी पेपर लीक कानून का उद्देश्य देश की परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय बनाना है। यदि इस कानून में कठोर दंड का प्रावधान है तो साथ ही यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि परीक्षा संस्थानों की जवाबदेही, तकनीकी सुरक्षा, पारदर्शिता और समयबद्ध जांच की व्यवस्था भी मजबूत हो। केवल दंड बढ़ाने से समस्या समाप्त नहीं होगी, जब तक प्रशासनिक सुधार और संस्थागत उत्तरदायित्व समानांतर रूप से लागू न हों।

~ मौलिक चिंतन ~

सम्मान पद या प्रचार से नहीं, बल्कि आचरण और उद्देश्य से अर्जित होता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

सावधान! घर बैठे कमाई वाला वो एक मैसेज आपको बना सकता है डिजिटल गुलाम

दिलीप कुमार पाठक

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुपए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लॉटरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है।

जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है - जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब इंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरूआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ। आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और करंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है। सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही हैं, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है - हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बांटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएं या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। जितनी जल्दी आप इस नंबर पर शिकायत करेंगे, आपके पैसे वापस मिलने की उम्मीद उतनी ही ज्यादा होगी, याद रखिए, आपकी एक सावधानी आपको बर्बाद होने से बचा सकती है।

शिक्षा, पढ़ाई और अनुभव से आती है, कोचिंग या ट्यूशन से नहीं?

सनत जैन

पिछले तीन दशक से भारत की शिक्षा पद्धति में बड़ी तेजी के साथ बदलाव आया है। प्राइमरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी जगह ट्यूशन और कोचिंग का एक नया जाल बुना गया है। इस जाल में फंसने के बाद बच्चों को रटन्तु विद्या तो हासिल हो जाती है, परीक्षा में उनके नंबर भी अच्छे आ जाते हैं, लेकिन जो ज्ञान उन्होंने पढ़कर हासिल किया है, उसका अनुभव नहीं आने पर ऐसा ज्ञान उनके कोई काम नहीं आता है। गुरु पूर्णिमा का अवसर है, गुरु राह दिखाता है। उसमें चलना शिष्य को पड़ता है। जब तक शिक्षा का ज्ञान अनुभव में ना आए, तब तक शिक्षा का कोई महत्व नहीं होता है। भारत में 1990 के बाद से एक ऐसा नया दौर शुरू हुआ है, जहां माता-पिता बच्चों को परीक्षा में मिले नंबरों से उनका आकलन करते हैं, यह ठीक नहीं है। हर बच्चे की बुद्धि अलग-अलग होती है। उसके सोचने का तरीका अलग होता है। उसका काम करने का तरीका अलग होता है। माना जाता है, ईश्वर ने हर जीव में अलग बुद्धि और अलग कौशल प्रदान किया है, जो समय और अनुभव के साथ आगे बढ़ता है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में पहले थ्योरी के साथ-साथ प्रेक्टिकल पर भी ध्यान दिया जाता था। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों को विविधता के साथ ज्ञान उपलब्ध हो, इसके लिए स्कूलों में तरह-तरह की पढ़ाई और अनुभव से बच्चों को जोड़कर रखा जाता था। पिछले 30 वर्षों में जिस तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आया है, उसमें हम रटंतू तोता तैयार कर रहे हैं। कोचिंग से शिक्षा लेने वाले छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर परीक्षा के बाद बहुत ज्यादा नंबर लेने, मेरिट में आने के बाद भी, जब उन्हें अनुभव नहीं मिलता है। परीक्षा के प्रवेश नहीं मिलता है, तो उनके ज्ञान का कोई महत्व नहीं रह जाता है। यह बात परीक्षार्थियों, उनके माता-पिता और अभिभावकों को समझनी होगी। हर बच्चे का पारिवारिक स्तर अलग होता है। उसके घर और परिवार में अलग-अलग तरीके का माहौल होता है। हर परिवार की जीवन शैली अलग होती है। सामाजिक जीवन में विकास के लिये भाषा और गणित का ज्ञान बहुत आवश्यक होता है। वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान भी बड़ा आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीकी और कंप्यूटर आदि की जानकारी वर्तमान समय में जरूरी हो गई है। इसके लिए प्राथमिक जानकारी एवं उसका उपयोग बहुत आवश्यक है। हर व्यक्ति का भाषा ज्ञान और विज्ञान उसके काम आता है, जो उसकी जरूरत में सदैव बना रहता है। अनुभव और समय की मांग के आधार पर वह अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाता रहता है। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है। अनुभव और समय के अनुसार नया ज्ञान हासिल करना जरूरत है। उसी ज्ञान के सहारे वह आगे बढ़ता चला जाता है। प.पू. आचार्य विद्यासागर जी महाराज कहते थे, बिल्ली जिस पंजे से शिकार करती है, उसी पंजे से अपने बच्चों का पालन भी करती है। जिसका शिकार करती है, उसे नुकसान होता है। उसी पंजे से बच्चों का पालन होता है। आचार्य विद्यासागर जी महाराज यह भी कहते थे, 50 शास्त्रों का ज्ञान और अनुभव का ज्ञान दोनों बराबर होते हैं। शास्त्रों में लिखा गया ज्ञान यदि अनुभव में नहीं आया है, तो उस ज्ञान का कोई महत्व नहीं है।

पिछले कुछ दशकों में सरकार ने जिस तरह की शिक्षा नीति बनाई है। उसमें नंबरों को आधार बनाकर बौद्धिक ज्ञान को नकार दिया गया है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में हर जगह अभ्यास के आधार पर परीक्षायें आयोजित हो रही हैं। परीक्षा में अधिक नंबर लाने के लिए ट्यूशन और कोचिंग संस्थानों की संख्या और उनका प्रभाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है। 60 और 70 के दशक में विश्वविद्यालय में फर्स्ट डिवीजन के नंबर आने पर गोल्ड मेडलिस्ट बनने का सौभाग्य मिल जाता था। अब 95 फीसदी अंक लाने के बाद भी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश अथवा चयन होता है। जिस तरह पहले पहाडे को याद करा दिया जाता था। उसका उपयोग हमेशा होता था। बच्चों ने जो पहाडा, जोड़-घटाना, गुणा-भाग प्राइमरी में पढ़ा है, सारे जीवन वह याद रहता है। उसी ज्ञान के सहारे वह अपने करियर को निरंतर आगे बढ़ाते हैं। इसी तरह भाषा का ज्ञान हिंदी मातृ भाषा और अंग्रेजी का ज्ञान आज भी उनके लिए उपयोगी है, जो उन्होंने प्राइमरी मिडिल और हाई स्कूल में पढ़ा था। उच्च शिक्षा में आने के बाद जो ज्ञान हासिल हो रहा है, उसमें डिग्री तो मिल जाती है। जब उस डिग्री के ज्ञान का कोई उपयोग, अनुभव में नहीं आता है, तो उसका कोई महत्व नहीं रह जाता है। बच्चों और युवाओं के कई महत्वपूर्ण साल शिक्षा प्राप्त करने में खत्म हो जाते हैं। परिवार के लाखों रुपए पढ़ाई में खर्च हो जाते हैं। रोजगार, नौकरी तथा भविष्य को लेकर ठन-ठन गोपाल वाली स्थिति बनी हुई है। दुनिया में जो तकनीकी कई दशकों में ईजाद हुई है उसके लिए कोई विशेष पढ़ाई करने की जरूरत कभी नहीं हुई। जिस व्यक्ति ने सोच लिया, हमें यह ज्ञान हासिल करना है, उसने हासिल करके ही अपनी पहचान बनाई है। इस बात को हमें भूलना नहीं चाहिए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हमें सोचना होगा आज का वर्तमान कल का भविष्य बनेगा। भारत में इस समय युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। बच्चों की जनसंख्या घटना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में हमें अपने भविष्य को बेहतर बनाना है, तो शिक्षा पद्धति में बदलाव लाना पड़ेगा। हर मस्तिष्क का उपयोग उसकी क्षमता और अनुभव के आधार पर हो। तभी स्वयं को परिवार और देश को आगे बढ़ाने में शिक्षा का महत्व है। वर्तमान में चीन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। चीन ने 12 हजार से अधिक रोजगार मूलक डिग्री शुरू की है। भारत में गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य की चर्चा होती है। जिस शिष्य को गुरु ने स्वीकार नहीं किया, उसी शिष्य ने द्रोणाचार्य को गुरु के रूप में स्वीकार किया। आस्था- विश्वास और अभ्यास से उनके परम शिष्य अर्जुन से आगे निकल गए। गुरु द्रोणाचार्य को एकलव्य का अंगूठा मांगना पड़ा। गुरु पूर्णिमा के अवसर ज्ञान के सभी गुरुओं को शत-शत प्रणाम।

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस

ललित गर्ग

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो।

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है-मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां 'मित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्' अर्थात् समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है-यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है?

इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को सुविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता भी स्वार्थ, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहां स्वार्थ प्रवेश करता है, वहां विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और 'ऑनलाइन' रहने वाला व्यक्ति वास्तविक जीवन में भावनात्मक रूप से 'ऑफलाइन' होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है।

विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घूमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियों को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता। सच्चा मित्र वह है जो समय आने पर हमारी भूलों का भी निष्पक्ष संकेत करे।

आज आवश्यकता मित्रता की नई परिभाषा गढ़ने की है। मित्रता प्रेम से आगे बढ़कर करुणा का पर्याय बने। प्रेम में कभी-कभी अधिकार और अपेक्षाएं जन्म लेती हैं, जबकि करुणा में केवल समर्पण और परमार्थ होता है। जब मित्रता करुणा पर आधारित होती है, तब उसमें ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं बचता। यदि हम अपने जीवन में कुछ सरल सूत्रों को अपनाएं तो मित्रता का यह संबंध अधिक सशक्त बन सकता है एक-दूसरे की अच्छाइयों और कमियों को सहजता से स्वीकार करना, संवाद को कभी समाप्त न होने देना, विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना, कठिन समय में साथ खड़ा रहना तथा मित्रता को समय देना। संबंध समय मांगते हैं, केवल संदेश भेजने से आत्मीयता नहीं बनती। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस विशेष रूप से युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर से जुड़ रही है। यदि यही युवा विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए वैश्विक मित्रता का संदेश फैलाएं तो आने वाला विश्व अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय हो सकता है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए जो संवाद, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करें।

जैन आचार्यों ने मैत्री, प्रमोद, करुणा और मध्यस्थ जैसे चार भावों के माध्यम से मानव संबंधों का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत किया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने मन में केवल मैत्री का भाव विकसित कर ले तो न घृणा बचेगी, न हिंसा और न ही वैमनस्य। महावीर का संदेश-'सभी जीव मेरे मित्र हैं, किसी से मेरा वैर नहीं'-आज के विश्व के लिए सबसे प्रासंगिक जीवन-दर्शन है। यह भी स्मरण रखना होगा कि मित्रता केवल समान विचारों वालों के बीच नहीं होती। विचार-भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन मन-भिन्नता विनाशकारी है। विचार-भेद से नए विचार जन्म लेते हैं, जबकि मन-भेद रिश्तों को तोड़ देता है। लोकतंत्र हो या परिवार, संस्था हो या समाज-जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ मित्रता भी जीवित रहती है।

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो। अधिकार नहीं, सम्मान हो और केवल साथ चलने का नहीं, साथ निभाने का संकल्प हो। यही मित्रता की सच्ची साधना है, यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विश्व शांति का सबसे विश्वसनीय मार्ग भी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वेल्लोर का अद्भुत श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर

जब भी गोल्डन टेंपल का जिक्र होता है, तो सबसे पहले लोगों की जुबां पर पंजाब के अमृतसर का नाम आता है। गोल्डन मंदिर को स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है। गोल्डन टेंपल सिख धर्म का पवित्र तीर्थ स्थल है। हर साल यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने के लिए आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में सिर्फ एक ही स्वर्ण मंदिर नहीं है। आपको हैरान होने की जरूरत नहीं है। भारत के तमिलनाडु के वेल्लोर नगर में भी एक स्वर्ण मंदिर है। इसको दक्षिण भारत का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। मान्यता है कि यह मंदिर मां लक्ष्मी को समर्पित है और इसको महालक्ष्मी मंदिर भी कहा जाता है।

दक्षिण का स्वर्ण मंदिर

साउथ के गोल्डन टेंपल को बनाने में करीब 1500 किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लूर से करीब 7 किमी की दूरी थिरुमलाई कोडी में स्थित है। अगर आप चेन्नई से इस मंदिर के दर्शन के लिए जाते हैं, तो यहां से दूरी करीब 145 किमी है।

श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर का प्रवेश द्वार मुख्य मंदिर से करीब 1.5 से 2 किमी दूरी पर है। द्वार से चलकर मुख्य मंदिर तक जाने के दौरान आपको चारों ओर हरियाली देखने को मिलेगी।

लक्ष्मीनारायणी मंदिर की खासियत

तमिलनाडु के वेल्लूर में स्थित लक्ष्मी नारायणी मंदिर के निर्माण में कई किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। बताया जाता है कि जब इस मंदिर का निर्माण हुआ था, तो करीब 300 करोड़ रुपए का खर्च आया था। लक्ष्मी नारायणी मंदिर का मुख्य मंदिर और दीवारें सोने की बनी हैं। इस मंदिर में मां लक्ष्मी की करीब 70 किलो की सोने की ठोस मूर्ति स्थापित है। मंदिर में मां लक्ष्मी की मूर्ति देख ऐसा लगता है कि जैसे साक्षात मां लक्ष्मी मंदिर में विराजमान हैं।

यह मंदिर दिन में चमकता है और रात में इसकी भव्यता देखने लायक होती है। मंदिर के परिसर में 27 फीट ऊंचा दीपमाला है। जब इसमें दीपक जलते हैं, तो सोने की चमक में इसकी सुंदरता शब्दों में बयां नहीं की जा सकती है।

मंदिर में फहराया जाता है तिरंगा

बता दें कि लोकसभा, राष्ट्रपति भवन और अन्य सरकारी इमारतों की तरह साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर पर तिरंगा झंडा फहराया जाता है। यह मंदिर हिंदुओं के लिए नहीं बल्कि सभी धर्म के लोगों के लिए खुला रहता है। माना जाता है कि साल 2007 में इस मंदिर का निर्माण पूरा हुआ था। यह मंदिर इतना फेमस है कि प्राचीन मंदिर की सुंदरता और भव्यता भी इससे पीछे रह जाते हैं।

ऐसे पहुंचे श्री लक्ष्मी नारायणी मंदिर

अगर आप साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर जाना चाहती हैं, तो आप यहां पर हवाई, रेल और सड़क मार्ग से आसानी से पहुंच सकती हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लोर में स्थित है। ऐसे में अगर आप प्लेन से जाना चाहती हैं, तो निकटतम हवाई अड्डा तिरुपति और चेन्नई का पड़ता है। तिरुपति हवाई अड्डे की दूरी करीब 120 किमी और चेन्नई से करीब 145 किमी दूर है। वहीं अगर आप रेल से जा रही हैं, तो वेल्लोर से करीब का रेलवे स्टेशन कटपडी है। जोकि मंदिर से करीब 7 किमी दूर है।

केरल की इन हसीन जगहों पर जरूर घूमें

केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षिक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं।

जब भी दक्षिण भारतीय राज्यों में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले केरल का नाम लेते हैं। अरब सागर के तट पर स्थित केरल एक बेहद खूबसूरत राज्य है। जहां पर हर दिन हजारों पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षिक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको केरल की कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप भी अपने पार्टनर के साथ हसीन पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

अल्लेप्पी

अगस्त के महीने में केरल की सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई कपल्स सबसे पहले अल्लेप्पी पहुंचते हैं। यह जगह अपनी खूबसूरती और मेहमान नवाजी के कारण केरल के टॉप हनीमून डेस्टिनेशन माना जाता है।

यह जगह अपने सबसे सुंदर बैकवाटर, लैगून और खूबसूरत बीचेज के लिए जाना जाता है। यहां पर समुद्र तट के किनारे कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जो कपल्स का शानदार वेलकम करते हैं। वहीं आप खूबसूरत बीच के किनारे खुशनुमा सुबह से लेकर हसीन शाम का लुत्फ उठा सकते हैं। वहीं पार्टनर के साथ हाउसबोट्स का भी आनंद ले सकते हैं।

वायनाड

वैसे केरल का मुन्नार तो हर कोई घूमने जाता है, लेकिन अगर आप किसी भीड़-भाड़ से दूर शांत और खूबसूरत हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करना चाहते हैं। तो आपको वायनाड को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक और क्वांटिटी टाइम बिता सकेंगे।

वायनाड एक बेहद शानदार और खूबसूरत हिल स्टेशन है। जोकि अपने चाय-काफी के बागान, हरियाली और शानदार वॉटरफॉल के लिए फेमस है। यहां पर कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर कुरुवा द्वीप, चेम्बरा पीक और बाणासुर सागर बांध जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कोवलम

केरल के सबसे खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में कोवलम का नाम भी शामिल है। यह अरब सागर के तट पर स्थित है। यहां पर सिर्फ अगस्त के महीने में नहीं बल्कि हर महीने पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह अपने अधिक समुद्र तटों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। यहां पर हवा बीच, लाइट हाउस बीच और कोवलम बीच के किनारे कई कपल्स हनीमून के लिए भी पहुंचते हैं।

त्रिशूर

केरल की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में फेमस त्रिशूर घूमने के लिहाज से एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यह केरल का ऐतिहासिक और धार्मिक शहर माना जाता है। त्रिशूर में आपको खूबसूरती से लेकर स्थानीय संस्कृति का बेजोड़ नमूना देखने का मौका मिलेगा। आप यहां पर अथिरापल्ली झरना, वड़ाकुमनाथन मंदिर आदि को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है जमशेदपुर के आसपास स्थित ये बेहतरीन जगहें, एक दिन में करें एक्सप्लोर

जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज हम आपको जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

जमशेदपुर झारखंड का सबसे बड़ा शहर है, जो अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। इस शहर को स्टील सीटी या टाटानगर के नाम से भी जाना जाता है। जमशेदपुर को देश का औद्योगिक शहर भी माना जाता है। यह झारखंड का एक प्रमुख शहर है, लेकिन जब भी यहां पर घूमने की बात होती है, तो बहुत कम जगहें ऐसी हैं, जहां पर पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। इसलिए कई लोग जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

डालमा हिल्स

जमशेदपुर में जब भी किसी शानदार और खूबसूरत जगह घूमने की बात होती है, तो कई लोग डालमा हिल्स का सबसे पहले नाम लेते हैं। कई लोग इसको दालमा हिल्स के नाम से भी जानते हैं। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और लुभावने दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। झारखंड के कई शहरों से पर्यटक डालमा में पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंचते हैं। यहां पर लोग एडवेंचर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

डालमा हिल्स व्यू पॉइंट
दलमा वन्यजीव अभयारण्य
मकुलाकोचा
डालमा माई मंदिर
चांडिम डैम

झारखंड में सुवर्णरेखा नदी पर चांडिम डैम स्थित है। यह राज्य का प्रमुख डैम होने के साथ ही एक फेमस खूबसूरत पर्यटन स्थल भी है। यहां का पानी सिंचाई के अलावा औद्योगिक उपयोग, पेयजल और जलविद्युत उत्पादन के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

इस डैम को एक फेमस पिकनिक स्पॉट के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का और प्रकृति का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। चांडिम डैम को साइबेरियन पक्षियों का घर भी माना जाता है। मानसून में इस डैम की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

घाटशिला

जमशेदपुर से करीब 50 किमी की दूरी पर स्थित घाटशिला एक खूबसूरत और प्रमुख पहाड़ी शहर है। यह राज्य के पूर्वी सिंहभूमि जिले में स्थित है। यह खूबसूरत शहर सुवर्णरेखा नदी के किनारे बसा है। झारखंड में घाटशिला को %उत्सवों का शहर% भी माना जाता है। इस जगह को प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। बुरुडीह झील घाटशिला की शान मानी जाती है।

यहां घूमें

पांच पांडव स्थल
रंकिणी मंदिर
फूलडुंगरी पहाड़ी
बुरुडीह झील
मुकुटमणिपुर

यह पश्चिम बंगाल की एक बेहद खूबसूरत और मनमोहक जगह है। जोकि झारखंड की सीमा से कुछ दूरी पर स्थित है। कंगसाबती और कुमारी नदियों के संगम पर मुकुटमणिपुर स्थित है। इसके कारण यहां दोनों ही राज्यों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। मानसून में मुकुटमणिपुर की खूबसूरती चरम पर होती है।

यहां घूमें मुकुटमणिपुर बांध
परेश नाथ पहाड़ी
हिरण पार्क

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

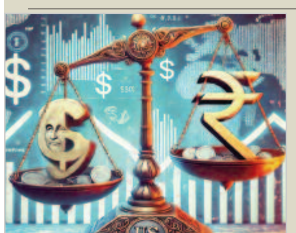

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.72 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में लगातार चौथे सत्र में मजबूत रुख के साथ ही पांच पैसे उछलकर र 95.77 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.70 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.82 पर बंद हुआ था। इससे पहले लगातार दो कारोबारी सत्रों में इसमें कुल 74 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.14 पर रहा।

फेड का वेट एंड वॉच रुख- जुलाई में ब्याज दरें यथावत रहने के आसार

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की जुलाई बैठक पर दुनियाभर के निवेशक टकटकी लगाए हुए हैं। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है, जिससे नए फेड चेयरमैन केविन वॉर्श के सामने चुनौती बढ़ गई है। वॉर्श महंगाई को 2 फीसदी के लक्ष्य तक लाने की अपनी प्राथमिकता दोहरा चुके हैं। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इन सब के बावजूद फेड इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। बाजार के जानकारों के अनुसार, 28-29 जुलाई को होने वाली फेड की बैठक में ब्याज दरों को लगातार चौथी बार 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में ही रखा जा सकता है। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में जारी तनाव का महंगाई पर पड़ने वाले असर को लेकर बनी अनिश्चितता है। फेड फिलहाल 'इंतजार और स्थिति पर नजर रखने' (वेट एंड वॉच) की रणनीति अपनाएगा। फेड आर्थिक आंकड़ों के आधार पर ही फैसला लेगा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, जीडीपी ग्रोथ अच्छी है और रोजगार बाजार भी सशक्त है। सामान्य परिस्थितियों में ऐसे मजबूत संकेत ब्याज दर बढ़ाने का दबाव बनाते हैं। हालांकि, अर्था भारत ग्लोबल मल्टीप्लायर फंड की नचिकेता सावरिकर का भी अनुमान है कि मौजूदा हालात में फेड ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और फिलहाल प्रतीक्षा नीति पर कायम रहेगा।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

मुंबई ।

एशियाई बाजारों में बुधवार सुबह मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। जापान का` निक्कई 225 0.49 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.08 फीसदी कमजोर रहा। वहीं, हांगकांग का हेंगसेंग 1.45 फीसदी बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। अमेरिकी बाजारों में भी मिला-जुला रुख देखने को` मिला। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में भी मिश्रित कारोबार रहा। डाउ जोंस 1.03 फीसदी चढ़कर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.21 फीसदी की बढ़त रही। जबकि नेस्डेक कम्पो जिट 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

बीएचईएल को नाइजीरिया से मिला मेगा ऑर्डर

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को नाइजीरिया में एक महत्वपूर्ण ठेका मिला है। कंपनी डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी को आठ गैस टर्बाइन जनरेटर पैकेज की आपूर्ति और उनकी स्थापना-चालू करने की निगरानी भी करेगी। यह ठेका कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में जीता गया है और इसे अफ्रीका के सबसे बड़े डांगोटे समूह ने दिया है। इन टर्बाइन पैकेजों का विनिर्माण बीएचईएल की हैदराबाद व बेंगलुरु इकाइयों में होगा। इसमें परियोजना स्थल पर इनकी स्थापना और चालू करने की निगरानी भी शामिल है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 889 , निफ्टी 265 अंक उछला

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव घटने से भी बाजार में तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 889 अंक उछलकर 77,654.60 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 265 अंक बढ़कर 24,250.20 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 बढ़त रही। आज रियल एस्टेट के अलावा सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। आईटी, मीडिया, मेटल, फार्मा, टेलीकॉम, प्राइवेट बैंक, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में बढ़त रही।

निफ्टी 50 इंडेक्स में, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, आयशर मोटर्स, बजाज-ऑटो, बीईएल, ओएनजीसी और एचडीएफसी लाइफ के शेयरों को नुकसान हुआ।

निवेशकों को आज बाजार पूंजीकरण बढ़ने से एक ही सत्र में 4 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण आज पिछले सत्र के 479 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 483 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया।वहीं इससे पहले आज सुबह पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव और मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बाद भी शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 701.41 अंक की उछाल के साथ 77,467.33 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी 204 अंक चढ़कर 24,190.40 के स्तर पर पहुंच गया।

फेड बैठक से पहले सोने में गिरावट, चांदी में भी तेजी

सोने का भाव 243 रुपए टूटा, चांदी 815 रुपए उछली

नई दिल्ली ।

फेड रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक से पहले बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जहां सोने के भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे, वहीं चांदी ने शुरुआती तेजी बरकरार रखी। वैश्विक बाजार में भी कमोडिटी एक्सचेंज (कॉमेक्स) पर सोने में नरमी जबकि चांदी में मजबूती देखी गई, जो आगामी मौद्रिक नीति निर्णयों के प्रति बाजार की सतर्कता को दर्शाता है। फेड रिजर्व की बैठक से पहले बुधवार को सर्राफा बाजार में उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने के अगस्त वायदा अनुबंध की शुरुआत 104 रुपये की गिरावट के साथ 1,41,519 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई। खबर लिखे जाने तक यह 243 रुपये की कमजोरी के साथ 1,41,380 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,41,623 रुपये था। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर छुआ है।

आईनॉक्स विंड को एनएलसी इंडिया से मिला 1,600 करोड़ का मेगा विंड प्रोजेक्ट

नई दिल्ली ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को सार्वजनिक क्षेत्र की एनएलसी इंडिया लिमिटेड से 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का बड़ा ठेका मिला है। इस अनुबंध का मूल्य लगभग 1,600 करोड़ रुपये है, जो कंपनी की परियोजना निष्पादन क्षमताओं को उजागर करता है। कंपनी के बुधवार को जारी बयान के अनुसार यह ठेका टर्नकी आधार पर (शुरू से अंत तक) पूरा किया जाएगा और इसे अनुबंध मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर क्रियान्वित किया जाना है। इस परियोजना के तहत, आईनॉक्स विंड एनएलसी इंडिया के लिए पवन ऊर्जा उत्पादन से संबंधित सभी बुनियादी ढांचे और सेवाओं को विकसित करेगी। इस महत्वपूर्ण ठेके के साथ, आईनॉक्स विंड की कुल ऑर्डर बुक बढ़कर 4.7 गीगावाट (4,700 मेगावाट) हो गई है, जिससे भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में इसकी मजबूत स्थिति और सुदृढ़ हुई है। आईनॉक्स विंड के एक अधिकारी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह ठेका कंपनी की एकीकृत समाधानों, परियोजना क्रियान्वयन में विशेषज्ञता और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाता है।

डीमार्ट ने शुरू किया फार्मेसी बिजनेस, दवाओं पर 20 फीसदी तक छूट

मुंबई में चुनिंदा स्टोर्स में शुरू हुआ शॉप-इन-शॉप मॉडल

मुंबई ।

रिटेल सेक्टर की दिग्गज कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) ने अब हेल्थकेयर सेक्टर में कदम रखा है।

अपने रोजाना कम कीमत मॉडल के लिए मशहूर यह कंपनी राधाकिशन दमानी की अगुवाई में मुंबई में फार्मेसी रिटेल बिजनेस का पायलट प्रोजेक्ट चला रही है, जहां ग्राहकों को दवाओं पर 20 फीसदी का सीधा डिस्काउंट दिया जा रहा है। यह पहल दवाओं के बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की तैयारी में है। डीमार्ट अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिफ्लेक्ट हेल्थकेयर एंड रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (आरएचआरपीएल) के माध्यम से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में शॉप-इन-शॉप मॉडल पर फार्मेसी काउंटर संचालित कर रहा है।

इससे कंपनी को नए स्टोर के किराए और ग्राहक अधिग्रहण लागत से बचने में मदद मिल रही है। आरएचआरपीएल ने` वित्त वर्ष 24-25 में 12.92 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है, हालांकि विस्तार के कारण घाटा भी बढ़कर 2.45 करोड़ रुपए हो गया।

कंपनी की 20 फीसदी सीधी छूट नीति से पड़ोस की केमिस्ट दुकानों के मुनाफे पर बड़ा असर पड़ सकता है, साथ ही ई-फार्मेसी कंपनियों के लिए भी चुनौती खड़ी हो रही है ।

जो होम डिलीवरी पर भारी खर्च के बावजूद मुनाफे के लिए संघर्ष कर रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने डीमार्ट के इस मॉडल की दीर्घकालिक स्थिरता पर सवाल उठाए हैं।

, खासकर दवाओं के जटिल इन्वेंट्री मैनेजमेंट और इतनी बड़ी छूट को बनाए रखने की चुनौती को लेकर। डीमार्ट के पास देश भर में 503 स्टोर्स का विशाल नेटवर्क है, जो सफल पायलट के बाद बड़े पैमाने पर लॉन्च का आधार बन सकता है।

पेटीएम पेमेंट बैंक बंद- जानिए क्या होगा और क्या नहीं!

आरबीआई ने नियमों का पालन न करने के कारण बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया था

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पेटीएम पेमेंट बैंक (पीपीबीएल) को बंद (वाइंडिंग अप) करने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दायर एक याचिका पर आया है, जिसमें बैंक का लाइसेंस रद्द करने के बाद उसकी संपत्तियों और देनदारियों के निपटारे की मांग की गई थी। हाईकोर्ट के इस निर्देश के साथ ही बैंक के मामलों को निपटाने के लिए एक आधिकारिक लिक्विडेटर (परिसमापक) नियुक्त कर दिया गया है। आरबीआई का आरोप था कि पेटीएम पेमेंट बैंक लगातार नियामकीय नियमों का पालन करने में विफल रहा था। ग्राहकों और जमाकर्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बैंक ने पहले मार्च 2022 में बैंक को नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया था। इसके बाद 2024 में भी नए डिपॉजिट लेने और कुछ बैंकिंग सेवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। लगातार नियमों से जुड़े मुद्दों के बाद अंततः बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया गया था। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक पूर्व चीफ जनरल मैनेजर गिरिकुमार एम. नायर को आधिकारिक लिक्विडेटर नियुक्त किया है। लिक्विडेटर बैंक के बोर्ड की सभी शक्तियां ग्रहण करेगा और

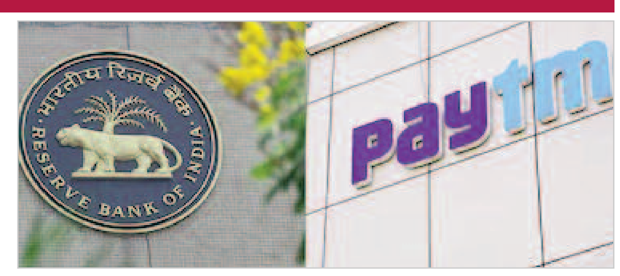

उसकी संपत्तियों, देनदारियों के साथ-साथ ग्राहकों से जुड़े दावों का कानूनी प्रक्रिया के अनुसार निपटारा करेगा। यह समझना महत्वपूर्ण है कि पेटीएम पेमेंट बैंक के बंद होने का मतलब यह नहीं है कि पेटीएम ऐप की सभी सेवाएं रुक जाएंगी। पेटीएम वालेट, यूपीआई पेमेंट, क्यूआर कोड, साउंडबॉक्स और मर्चेंट पेमेंट जैसी सुविधाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। पेटीएम ने अपनी डिजिटल पेमेंट सेवाओं के लिए अन्य बैंकिंग पार्टनर्स के साथ पहले ही करार कर लिया है। यदि किसी ग्राहक का पैसा पेटीएम पेमेंट बैंक खाते या वॉलेट में है, तो लिक्विडेटर ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके दावों का निपटारा करेगा।

एमिरेट्स ने शुरू की क्रिप्टोकरेंसी से भुगतान की सुविधा

शुरुआती चरण में यूएई के पात्र निवासी कर सकेंगे उपयोग

दुबई ।

दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे मुनाफे वाली अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन एमिरेट्स ने डिजिटल भुगतान को अपनाते हुए एक ऐतिहासिक पहल की है। अब ग्राहक अपनी उड़ानों के लिए क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से भुगतान कर सकेंगे।` क्रिप्टो डॉट कॉम पे के साथ साझेदारी से, यह सुविधा ग्राहकों को सीधे अपने डिजिटल वॉलेट से टिकट बुक करने की अनुमति देगी। यह कदम ग्राहकों को भुगतान के अधिक विकल्प देने की एमिरेट्स की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, खासकर आज की युवा और डिजिटल-जागरूक पीढ़ी को लक्षित करते हुए। एमिरेट्स के एक प्रमुख ने इसे ग्राहकों के लिए बेहतर अनुभव का हिस्सा बताया। शुरुआती चरण में यह सुविधा केवल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उन पात्र निवासियों के लिए उपलब्ध होगी जो अमीराती दिरहम (एईडी) में अपनी बुकिंग करेंगे। यात्री एमिरेट्स की वेबसाइट और ऐप पर चेकआउट के दौरान इस विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। अपनी लग्जरी सुविधाओं और वैश्विक नेटवर्क के लिए मशहूर एमिरेट्स, जिसने हाल ही में 5.4 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड लाभ कमाया है, अब क्रिप्टो भुगतान के जरिए प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित करने की तैयारी में है, जिससे उसकी डिजिटल उपस्थिति और मजबूत होगी।

एथनॉल उत्पादन के लिए सरकार ने घाटे में बेचे 63.5 लाख टन चावल

सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारी मात्रा में चावल डिस्टलरियों को कम कीमत पर उपलब्ध कराए हैं, जिससे सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में सरकार ने बताया कि उसने जिस कीमत पर चावल खरीदा था, उससे काफी कम दाम पर उसे एथनॉल बनाने के लिए बेचा गया है। चौंकाने वाली बात यह भी है कि चावल से बनने वाले एथनॉल की उत्पादन लागत कच्चे तेल आधारित पेट्रोल के मुकाबले कहीं ज़्यादा है। पिछले एक साल में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने लगभग 63.5 लाख टन चावल एथनॉल बनाने वाली डिस्टलरियों को 14,596.78 करोड़ रुपये में बेचे हैं। यह चावल 2,250 रुपये से 2,320 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उपलब्ध कराए गए थे। इसके विपरीत सरकार ने इन्हीं चावलों को किसानों से 3,720 रुपये से 3,889 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर खरीदा था, जिसमें खरीद मूल्य, भंडारण, परिवहन और श्रम लागत शामिल थी। इस भारी अंतर के बावजूद, सरकार का दावा है कि उसने एथनॉल कंपनियों को कोई सब्सिडी नहीं दी है और चावल खुले बाजार मूल्य पर बेचा गया है, हालांकि स्पष्ट वित्तीय नुकसान साफ दिखता है। हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों ने सबसे ज्यादा चावल एफसीआई से खरीदे हैं। यह वित्तीय खाई भविष्य में भी बढ़ने की आशंका है। अगले वित्त वर्ष के लिए भी एफसीआई ने 72 लाख टन चावल बेचने की योजना बनाई है, जिसकी अनुमानित बिक्री कीमत 23,900 करोड़ रुपये है, जबकि इसकी वास्तविक लागत लगभग 43,100 करोड़ रुपये बताई जा रही है। चावल से एथनॉल बनाने की लागत भी चिंताजनक है।

आरडी इंडस्ट्रीज का 426 करोड़ का आईपीओ 5 अगस्त से

सर्कुलर इकोनॉमी क्षेत्र की कंपनी में निवेशक 5 से 7 अगस्त तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली ।

सर्कुलर इकोनॉमी क्षेत्र में कार्यरत आरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 426 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 5 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए प्रति शेयर 50-53 रुपए का मूल्य दायरा तय किया है। बड़े (एंकर) निवेशक 4 अगस्त को बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ 7 अगस्त को बंद होगा। निर्गम में 320 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे, जबकि प्रवर्तक 1.99 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश लाएंगे। नए शेयर से 220 करोड़ रुपए कार्यशील पूंजी और 22 करोड़ रुपए कर्ज चुकाने में इस्तेमाल होंगे। आरडी इंडस्ट्रीज ऊर्जा भंडारण उत्पादों और गैर-लौह धातु कबाड़ का पुनर्चक्रण कर शुद्ध सीसा एवं सीसा मिश्रधातु का विनिर्माण करती है। कंपनी के शेयर 12 अगस्त को सूचीबद्ध हो सकते हैं।

बढ़ती कीमतों पर लगाम, चीनी डीलरों के लिए स्टॉक सीमा तय

30 दिन से अधिक स्टॉक रखने पर रोक, अधिकतम 4000 क्विंटल की सीमा भी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने चीनी की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में चीनी डीलरों के लिए स्टॉक रखने की सीमा तय कर दी है।

अब कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक समय तक स्टॉक नहीं रख सकेगा, और न ही किसी भी समय 4,000 क्विंटल से अधिक चीनी स्टॉक में रख पाएगा। यह आदेश 1 अगस्त से 30 नवंबर, 2026 तक लागू रहेगा। सरकार का यह निर्णय पिछले तीन महीनों में चीनी की एक्स-मिल कीमतों में 39 रुपए से बढ़कर 45 रुपए प्रति किलोग्राम तक की वृद्धि के बाद आया है। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और चीनी (नियंत्रण) आदेश, 2025 के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए यह प्रतिबंध लगाया है। इससे पहले, चीनी डीलरों पर ऐसी कोई मात्रात्मक पाबंदी नहीं थी, हालांकि चीनी मिलों के लिए मासिक बिक्री कोटा तय किया जाता था। मानसून की कमी के पूर्वानुमान और कीमतों को नियंत्रण में रखने के प्रयासों के तहत केंद्र ने पहले ही चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगा रखा है। उद्योग निकाय इस्मा के एक अे धिकारी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि यह देश में चीनी की स्थिर आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करेगा।

वैज्ञानिकों के पलायन पर आईएसआरओ सख्त, छोड़ी नौकरी तो लगेंगे कड़े नियम

कार्यबल में बड़ी गिरावट, वेतन को लेकर चिंताएं बनी इस्तीफों का मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से लगातार हो रहे वैज्ञानिकों के पलायन पर चिंता व्यक्त करते हुए, अंतरिक्ष विभाग ने अब देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अभियानों में कार्यरत वैज्ञानिकों के लिए नौकरी छोड़ने के नियमों को कड़ा कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इसरो का कार्यबल लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इस्तिफयों के बढ़ते आंकड़ों ने इसरो के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। वर्ष 2017 में जहां इसरो में 16,072 लोग कार्यरत थे, वहीं 2025 तक यह संख्या घटकर 14,637 पर आ गई है। स्वीकृत पदों के मुकाबले काम करने वाले कर्मचारियों की हिस्सेदारी में भी गिरावट दर्ज की गई है। विशेष रूप से, वर्ष 2021 के बाद से वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों की संख्या में भी कमी आई है। इस पलायन का एक प्रमुख कारण कर्मचारियों के लिए वेतन संबंधी चिंताएं मानी जा रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, इसरो के छह प्रमुख प्रभागों में राजस्व व्यय के मुकाबले वेतन पर होने वाला व्यय लगातार घट रहा है, जो असंतोष का मुख्य कारण है।

सरकार का यह कदम प्रतिभा पलायन को रोकने और महत्वपूर्ण अंतरिक्ष परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि देश के अहम मिशनों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

आईनॉक्स विंड को एनएलसी इंडिया से मिला 1,600 करोड़ का मेगा विंड प्रोजेक्ट

नई दिल्ली ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को सार्वजनिक क्षेत्र की एनएलसी इंडिया लिमिटेड से 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का बड़ा ठेका मिला है। इस अनुबंध का मूल्य लगभग 1,600 करोड़ रुपये है, जो कंपनी की परियोजना निष्पादन क्षमताओं को उजागर करता है। कंपनी के बुधवार को जारी बयान के अनुसार यह ठेका टर्नकी आधार पर (शुरू से अंत तक) पूरा किया जाएगा और इसे अनुबंध मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर क्रियान्वित किया जाना है। इस परियोजना के तहत, आईनॉक्स विंड एनएलसी इंडिया के लिए पवन ऊर्जा उत्पादन से संबंधित सभी बुनियादी ढांचे और सेवाओं को विकसित करेगी। इस महत्वपूर्ण ठेके के साथ, आईनॉक्स विंड की कुल ऑर्डर बुक बढ़कर 4.7 गीगावाट (4,700 मेगावाट) हो गई है, जिससे भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में इसकी मजबूत स्थिति और सुदृढ़ हुई है। आईनॉक्स विंड के एक अधिकारी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह ठेका कंपनी की एकीकृत समाधानों, परियोजना क्रियान्वयन में विशेषज्ञता और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाता है।

सीडब्ल्यूजी 2026

पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की जंप

श्रीशंकर मुरली ने हासिल किया फाइनल का टिकट

ग्लासगो । भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने सोमवार को पुरुषों की लॉन्ग जंप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.01 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर ने ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को आसानी से पार कर लिया। क्वालीफाइंग 'ग्रुप-ए' में 27 वर्षीय एथलीट को फाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए कम से कम 8.00 मीटर की छलांग लगाने की जरूरत थी। श्रीशंकर ने यह लक्ष्य केवल एक प्रयास में हासिल कर लिया, जिसके बाद उन्होंने अपना क्वालिफिकेशन राउंड समाप्त कर दिया और बुधवार को होने वाले मेडल इवेंट के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखी। केरल के इस एथलीट ने अपने पहले प्रयास से ही 'ग्रुप-ए' में शीर्ष स्थान हासिल किया।

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

ग्लासगो। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ष्ट्ङ्खत्र 2026) के छठे दिन भारत के स्टार धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुलवीर ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स की इस स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं। 27 मिनट 49.78 सेकंड में पूरा किया ऐतिहासिक सफर 27 वर्षीय गुलवीर सिंह ने ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार और धैर्य का परिचय देते हुए 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकाला और दूसरा स्थान हासिल किया।

● **गोल्ड मेडल :** ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। ● **सिल्वर मेडल :** भारत के गुलवीर सिंह (27 :49.78) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। ● **कांस्य पदक :** डेविड मुलार्की ने कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि लंबी दूरी की दौड़ में पारंपरिक रूप से दबदबा रखने वाले कीनिया और युगांडा के दिग्गज धावक इस बार पोडियम (शीर्ष तीन) में जगह बनाने में नाकाम रहे।

'मेरे को नंगी कर के सड़क पर फेंक दिया था'

● कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली एथलीट शर्मीला धनकड़ की प्रेरक कहानी

नई दिल्ली। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में पहले 5 दिन के बाद भारत ने 10 पदक जीत लिए हैं। भारत की बेटियों ने स्कॉटलैंड में तिरंगे का मान बढ़ाया है। उसमें से कई खिलाड़ियों की कहानी ऐसी है जिसमें उन्होंने बेहद कठिनाइयों का सामना किया है। ऐसी ही प्रेरक कहानी है भारत के लिए पैरा एथलेटिक्स में इतिहास रचने वाली शर्मीला धनकड़ की। उन्होंने 40 साल की उम्र में गोला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया। आज इस स्वर्ग जैसी जिंदगी में नजर आ रहीं शर्मीला का जीवन 14 साल पहले किसी नर्क से कम नहीं था। उनके पहले पति ने उन पर इस कदर यातनाएं की थीं कि उन्हें बिना कपड़ों के सड़क पर बेटियों के साथ फेंक दिया था। ग्लासगो में सोमवार रात गोल्ड मेडल जीतने के बाद शर्मीला ने इंडियन एक्सप्रेस और अपनी 14 साल पहले की दर्द भरी कहानी को भी सबके सामने बताया। वहीं स्न्ड्ढ द्वारा आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में जनसत्ता के सवालों का भी जवाब दिया और यह भी बताया कि दूसरे पति अजीत सिंह का उनकी जिंदगी में बेहद खास रोल रहा।
उन्होंने बताया कि 2012 में उनके नशेड़ी पति ने रेवाड़ी में उनको दो बेटियों के साथ निर्वस्त्र करके सड़क पर फेंक दिया था। यह मामला रेवाली के गुरकावास गांव का था। इसके बाद पड़ोसियों ने उन्हें कंबल और रजाई से लपेटा। फिर शर्मीला के माता-पिता जय लाल और सरोज उन्हें अपने महेंद्रगढ़ स्थित गांव छिथरौली ले गए। इस हादसे के 14 साल बाद अब भारत की इस बेटी ने ग्लास्गो में गोल्ड मेडल जीता और अपनी मां व दूसरे पति अजीत सिंह को साथ सेलिब्रेट करने के लिए सबके सामने बुलाया।

शर्मीला ने सुनाई दर्द भरी दास्तां

शर्मीला 2 साल की उम्र में ही एक पैर में पोलियो से पीड़ित हो गई थीं। उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपनी आपबीती को बताया। उन्होंने कहा, 'मेरे को नंगी करके मेरी बेटियों के साथ सड़क पर फेंक दिया था मेरे पहले हस्बैंड (पति) ने। मेरे पड़ोसियों ने मुझे कंबल से लपेटा और फिर मेरे माता-पिता मुझे वहां से ले गए। मेरी 19 साल की उम्र में शादी कर दी गई थी। वह ड्रग्स लेता था और उसका आदि था। जब मेरी दूसरी बेटी पैदा हुई थी तब से चीजें खराब हो गई थीं।' वहीं शर्मीला की माता सरोज भी बचपन से नेत्रहीन हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बेटी की सफलता के बाद कहा, 'मेरी बेटी कक्षा 1 से कक्षा 10 तक टॉपर रही है। लेकिन हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी तो हमने उसकी शादी कर दी। जब यह हुआ (पहले पति की बर्बरता) तो मैंने अपने पति से कहा कि उसे वापस ले आओ। यह गोल्ड मेडल शर्मीला के जज्बे का नतीजा है।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

नई दिल्ली । कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13

गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं। मेजबान स्कॉटलैंड फिलहाल चौथे स्थान पर है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 15 मेडल आए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। 6 गोल्ड और कुल 11 मेडल के साथ नाइजीरिया मेडल टैली में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, भारत टॉप 10 में बरकरार है। छठे दिन दो सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत 9वें स्थान पर काबिज है। भारत ने कुल 2 गोल्ड, 7 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। मंगलवार को महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो का भार उठाते हुए सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क राउंड में 126 किलो का भार उठाया। वहीं, गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ को 27 :49.78 सेकंड में पूरा करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। गुलवीर इस प्रतियोगिता में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। मुक्केबाजी में प्रीति, प्रिया और जादुमणि सिंह ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इन तीनों मुक्केबाजों ने भारत के लिए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्के कर दिए हैं।

5 ओवर में 5 विकेट और रन दिए 0

● पाकिस्तान पर कहर बरपा जस्टिन ग्रीव्स ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने सोमवार को (27 जुलाई) को पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास रच दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में लगातार पांच विकेट मेडन करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। ग्रीव्स ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 2016 में जोहान्सबर्ग में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के लगातार चार मेडन विकेट के रिकॉर्ड को तोड़ा। पाकिस्तान ने 38 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। ग्रीव्स ने त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन लंच से

पहले और बाद के स्पेल में कहर बरपाया। पाकिस्तान पहली पारी में अच्छी बढ़त बनाने की राह पर था। एक समय उसका स्कोर 244/3 था। पूर्व कप्तान शान मसूद ने शतक पूरा किया।

पाक 282 रन पर ऑल आउट

इसके बाद ग्रीव्स ने उन्हें आउट किया। फिर लगातार ओवरों में आमिर जमाल, अली उस्मान और मोहम्मद रिजवान को बिना कोई रन दिए आउट कर दिया। इससे पाकिस्तान का स्कोर लंच तक 267/8 हो गया। ग्रीव्स ने लंच के बाद अपने पहले ओवर में मोहम्मद अब्बास को विकेट के पीछे कैच कराया और लगातार पांच विकेट मेडन किए। इससे पाकिस्तान 282 रन पर ऑल आउट हो गया।

इंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ाई

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ा गई है। उसने 43 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन बनाए हैं। उसके पास 155 रनों की बढ़त है। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद अब्बास ने 14 रन देकर 3 विकेट झटके। केमार रोच 5 और शमार जोसेफ 13 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर। कैरेबियाई टीम के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा तेगनरायण चंद्रपाल ने 35 रन बनाए हैं। तीसरे दिन 14 विकेट गिरे।

188 विकेट और 2200 रन, कौन हैं सारांश जैन?

वाशिंगटन की जगह श्रीलंका दौरे पर मिला मौका

नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का मंगलवार(28 जुलाई) को ऐलान हो गया। वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण सारांश जैन को चुना गया है। मध्य प्रदेश के इस ऑलराउंडर का चयन चौंकाने वाला है क्योंकि उन्हें 33 साल की उम्र में मौका मिला है। भारतीय क्रिकेट में 30 साल के होने के बाद पहली बार चुने जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा नहीं है।

घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सारांश को इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला है। उन्होंने दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 70 रन बनाने के अलावा छह विकेट लिए थे। सारांश जैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 188 विकेट लिए हैं और दो शतक के साथ 2200 से ज्यादा रन बनाए हैं। श्रीलंका की टीम में काफी बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी की वजह से चयनकर्ताओं ने भारतीय टीम में शामिल किया है।

360 रन और 35 विकेट

सारांश जैन ने उस सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए 360 रन बनाए और 35 विकेट लिए। इससे उन्हें इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए की टीम में चुना गया, जहां उन्होंने एकमात्र खेले मैच की दोनों पारियों में हाफ-संेचुरी बनाई। सारांश की खासियत है कि वह किसी भी मौके का पूरा फायदा उठाते हैं।

टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में दो बड़े बदलाव

श्रीलंका दौरे पर नए कोच के साथ उतरेगी टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम 15 अगस्त से अब इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना अगला मुकाबला खेलेगी। टीम इंडिया श्रीलंका का दौरा करेगी जिसमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ से दो पूर्व सदस्यों का नाम हट जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने यह अपने बयान में साफ कर दिया है कि असिस्टेंट कोच रियान टेन डशकाटे और फील्डिंग कोच टी दिलीप का कार्यकाल नहीं बढ़ेगा।

मंगलवार को पीटीआई से बात करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिन देवजीत सैकिया ने यह बयान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि आगामी श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया नए फील्डिंग कोच के साथ उतरेगी। वहीं कोचिंग स्टाफ में दो बदलाव होना तय है। उन्होंने कहा है कि श्रीलंका दौरे से पहले ही फील्डिंग कोच के नाम का ऐलान होगा। वहीं इसके लिए दो से तीन नामों पर चर्चा भी जारी है।

क्या बोले देवजीत सैकिया?

सैकिया ने बताया, 'असिस्टेंट कोच रियान डसकाटे का दो साल का कॉन्ट्रैक्ट 10 जून को टीम इंडिया के साथ खत्म हो चुका है। फील्डिंग कोच टी दिलीप का पिछले साल एक साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया गया था।

पिता इलेक्ट्रीशियन, आर्थिक तंगी में गुजरा बचपन

अब कॉमनवेल्थ गेम्स में पूरा किया पिता का अधूरा सपना; ज्ञानेश्वरी यादव की कहानी

नई दिल्ली। एक प्रसिद्ध कहावत है, 'जिसमें कुछ करने का जुनून होता है वह किसी भी परिस्थिति में अपनी राह बना लेता है।' इसी कहावत को सच कर दिखाया है भारतीय वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने। परिवार की आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, कोरोना जैसी महामारी और कई तमाम तरह की परेशानियों का सामना करते हुए ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने सपने को साकार किया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने सोमवार (27 जुलाई) को राष्ट्रमंडल खेलों में 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता और अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक यादव बिजली मिस्त्री हैं, जिन्होंने कभी बॉडी बिल्डर बनने का सपना देखा था लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका सपना अधूरा रह गया। अपनी बेटी के जन्म के साथ ही दीपक ने यह निश्चय कर लिया था कि वह अपनी बेटी को एक स्पोर्ट्सपर्सन ही बनाएंगे। 13 साल की ज्ञानेश्वरी को उनके पिता दीपक ने पहली बार पॉवर लिफ्टिंग से परिचय कराया। ज्ञानेश्वरी के प्रतिभा को देखते हुए दीपक उनको वेटलिफ्टिंग कोच अजय लोहार विश्वकर्मा के पास ले गए, जो इस युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को देखकर तुरंत प्रभावित हो गए।

कम संसाधनों में की कड़ी मेहनत- कोच लोहार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया,'ड्राई लिफ्टिंग के पहले दिन ही उन्होंने 15 किलोग्राम के लकड़ी के तख्ते को आसानी से उठा लिया। मुझे उस एहसास हो गया कि वह एक अच्छी वेटलिफ्टर बनेंगी। उनमें संतुलन और शारीरिक ताकत शुरू से ही अच्छी थी। इसलिए उन्होंने खेल की बुनियाद को जल्दी सीख लिया। वेटलिफ्टिंग के सफर की शुरुआत के साथ ही ज्ञानेश्वरी को संसाधनों की कमी से जुझना पड़ा।

ज्ञानेश्वरी के पिता ने कहा, ज्ञानेश्वरी भीषण गर्मी में बिना पंखे वाले हॉल में अभ्यास किया करती थीं। ज्ञानेश्वरी यादव ने एक दिन के लिए भी अपने अभ्यास में कमी नहीं की। कोरोना महामारी के दौरान जब सब कुछ ठप हो चुका था, ऐसे समय में भी ज्ञानेश्वरी ने बिना संसाधनों के ही अपने अभ्यास को जारी रखा। छह महीने से अधिक तक जिम बंद रहने की वजह से ज्ञानेश्वरी ने घर को ही प्रशिक्षण स्थल बना लिया। पिता दीपक ने सीमेंट की पट्टियां बनाईं और गैस सिलेंडर का इंतजाम किया ताकि वह बिना किसी रुकावट के प्रशिक्षण कर सके।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक ने बताया, 'ज्ञानेश्वरी के जन्म के साथ ही मैंने और उसकी मां दुर्गा ने यह फैसला ले लिया था कि हम उसे खिलाड़ी बनाएंगे। जब उसने रजत पदक जीता तो मुझे खुद को पोडियम पर देखने का मौका मिला। वह 14 साल की उम्र में भी आसानी से बेंच प्रेस कर लिया करती थी। चाहे बारिश हो या गर्मी उसने अभ्यास कभी नहीं छोड़ा। जहां वह प्रशिक्षण करती थी वहां पंखा भी नहीं था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3963

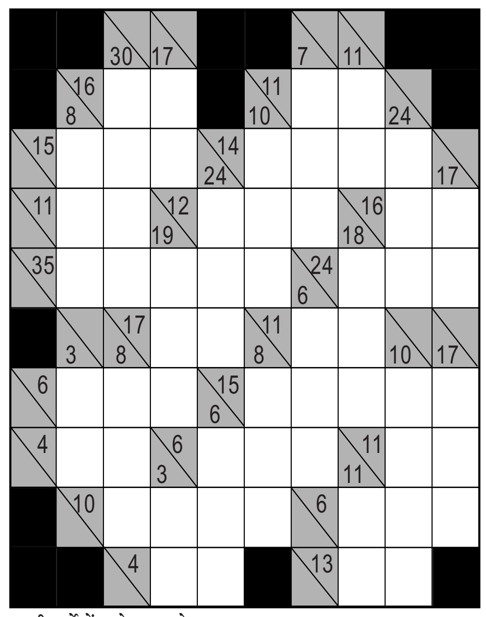

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

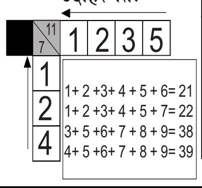

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3962 का हल

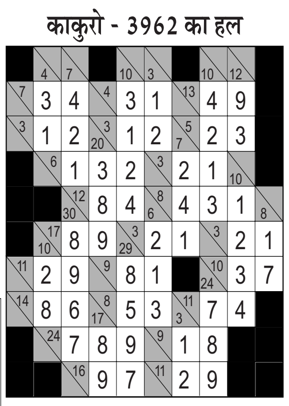

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3963

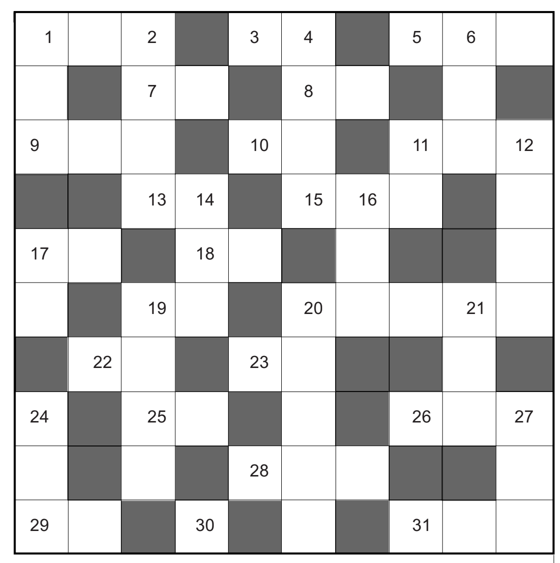

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3962

सूडोकु -3963

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3962 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3963

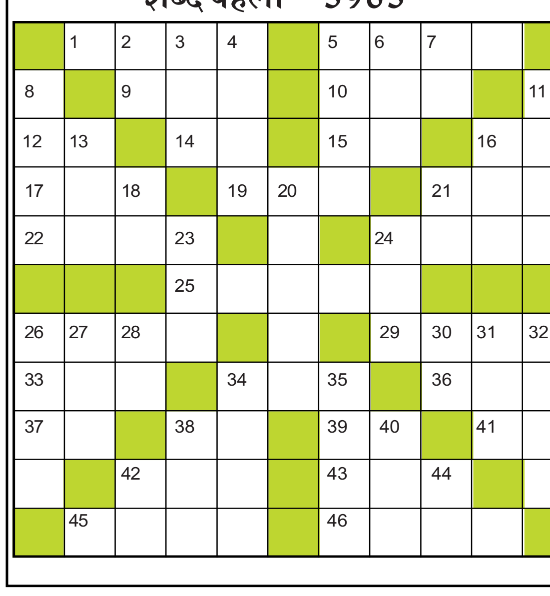

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -3962 का हल

स्टफ्ड छोला पराठा

सामग्री

- 2 कप गेहूं का आटा
- 1/2 टीस्पून घी
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- आवश्यकतानुसार

स्टफिंग के लिए
- मसाला छोले
- 2 टेबलस्पून बारीक कटा हुआ हरा प्याज
- छोटी चम्मच हींग

विधि

आटे में घी, नमक और 1 चम्मच तेल मिलाकर पानी की सहायता से गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को 15-20 मिनट के लिए रख दें। एक बोल में मसाला छोले, हरा प्याज, हींग और अतिरिक्त मसाले डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब परांठे की स्टफिंग तैयार है। आटे की लोइयां तैयार कर उन्हें बेल लें। एक चम्मच स्टफिंग उस पर रखने के बाद चारों तरफ से मोड़ कर बंद कर दें। अब इस छोले भरी लोई को चपटा कर थोड़ा सा बड़ा कर लें। बेले हुए परांठे को तवे पर डालकर दोनों तरफ से तेल लगाकर ब्राउन होने तक खस्ता सेके। स्टफ्ड परांठे को अचार, चटनी, सब्जी, दही व सैलेड के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

पत्तागोभी मंचूरियन

सामग्री

■ मैदा- 1/3 कप ■ पत्तागोभी- 3/4 कप (कद्दूकस किया हुआ) ■ गाजर- 3/4 कप (कद्दूकस किया) ■ शिमला मिर्च- 1/2 (कद्दूकस की हुई) हरी मिर्च- 1 (बारीक कटी) ■ काली मिर्च- 1/2 पिंच ■ कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- डीप फ्राई के लिए **ग्रेवी के लिए** ■ तेल- 2 टेबलस्पून ■ अदरक- 2 टीस्पून (कद्दकस किया) ■ लहसुन- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा) ■ काली मिर्च- 1 टीस्पून ■ कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून ■ सोया सॉस- 2 टेबलस्पून ■ टोमैटो सॉस- 2 टेबलस्पून ■ चिली सॉस- 1/2 टेबलस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ विनेगर- 1 टीस्पून ■ प्याज- 2 टेबलस्पून (बारीक कटा) ■ हरा धनिया- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा)

विधि

एक मिक्सिंग बाउल में कद्दूकस किया हुआ गाजर, पत्तागोभी, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, तेल, काली मिर्च पाउडर, मैदा, कॉर्नफ्लोर, नमक और बहुत ही थोड़ा सा पानी डालकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिक्सचर से छोटे-छोटे बॉल्स बना लें। पैन में तेल गरम करें और जब तेज गर्म हो जाएं, तब इसमें बॉल्स को डालकर गोल्डेन ब्राउन होने तक डीप फ्राई कर लें और अलग रख दें। ग्रेवी बनाने के लिए एक बाउल में कॉर्नफ्लोर और पानी डालकर पेस्ट बना लें। फिर एक पैन में तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तब इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालकर एक मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें सोया सॉस, चिली सॉस और टोमैटो सॉस डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें 2 कप पानी, काली मिर्च और नमक डालकर एक उबाल आने तक पका लें। इसके बाद इसमें कॉर्नफ्लोर का पेस्ट डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और धीमी आंच पर एक मिनट तक पका लें। फिर इसमें पत्तागोभी के बॉल्स को डालकर 3 मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बारीक कटे प्याज और हरा धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

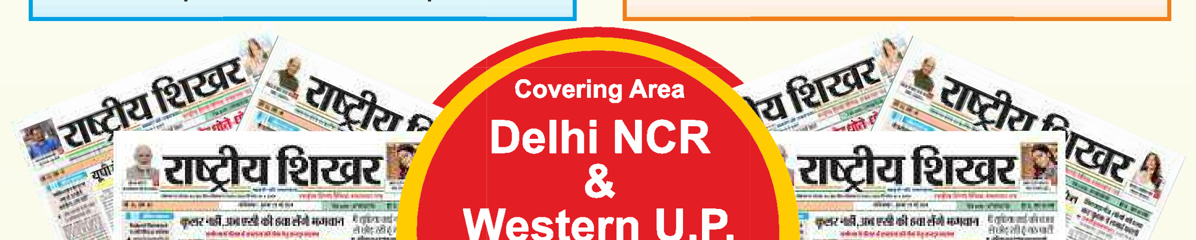

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था, सलमान ने प्रेरित किया और आत्मविश्वास बढ़ाया

रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर आज भारतीय मनोरंजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अक्सर सलमान खान के साथ जुड़ी खबरों से भी होती रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक अलग कहानी है। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने को लेकर भरोसा नहीं था। उस दौर में सलमान खान ने उनकी क्षमता पर भरोसा जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। यूलिया ने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि सलमान के भरोसे ने उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने में मदद की। यूलिया वंतूर का बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया। टीवी में उनके काम के लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले।

भारत आने के बाद यूलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई भाषा और नई इंडस्ट्री थी। शुरुआत में लोग उन्हें सलमान खान से जुड़ी शख्सियत के तौर पर ज्यादा जानने लगे थे। यूलिया और सलमान खान की मुलाकात साल 2010 में डबलिन में हुई थी, जहां सलमान अपनी फिल्म 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद दोनों की दोस्ती की चर्चा होने लगी। यूलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके लिए सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था। उन्हें हिंदी में गाने को लेकर खुद पर विश्वास नहीं था। लेकिन, सलमान ने उनकी आवाज और मेहनत पर भरोसा किया। सलमान खान ने यूलिया को गाने के लिए प्रेरित किया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद यूलिया ने उनकी फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' के गाने 'सीटीमार' में अपनी आवाज दी। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया और सिंगर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। यूलिया ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। वह शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' में नजर आईं।

मिर्जापुरः द फिल्म को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोलीं

लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुर: द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, ''जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया।''

उन्होंने कहा, ''इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।''

फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, ''यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही दर्शकों की भी है।''

श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''गोलू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोलू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया। उसने अपने सफर में कई दर्द झेले, बदले की भावना से गुजरी और ताकत के साथ अपनी पहचान बनाने की कोशिश की।''

श्वेता ने कहा, ''मेरे लिए इस किरदार को निभाना इसलिए भी खास रहा क्योंकि मैंने लंबे समय तक गोलू के हर बदलाव को महसूस किया। मैंने उसे कई सालों तक जिया है। वह एक ऐसी युवा महिला थी, जो सही काम करने में विश्वास रखती थी और धीरे-धीरे ऐसी इंसान बनी, जो ताकत, दुख, बदले और महत्वाकांक्षा के बीच खुद को संभाल रही थी।'' उन्होंने कहा, ''किसी किरदार का लोगों के जीवन से जुड़ जाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। गोलू गुप्ता का किरदार मेरे करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक रहेगा।''

अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के विजय देवरकोंडा ने की अपने करियर सबसे मुश्किल तैयारी

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

विजय ने ली ट्रेनिंग

फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।'

चाकू चलाने की ट्रेनिंग ली

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा का वर्क फ्रंट

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।

अक्षय की 'समुक' में एलियन के सूट डिजाइन पर खर्च होंगे करोड़ों

अक्षय कुमार की अपकमिंग साइंस-फिक्शन फिल्म 'समुक' है। इसका बजट करीब 150 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। फिल्म को पहले अगस्त में फ्लोर पर ले जाने की तैयारी थी, लेकिन अब लंबे यूके शेड्यूल की लागत और कई विभागों के बजट की नई गणना के चलते प्रोडक्शन प्लानिंग पर दोबारा काम हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक फिल्म का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा लंदन और स्कॉटलैंड में शूट किया जाएगा और यूके शेड्यूल की अवधि ढाई से तीन महीने रखी गई है। इसमें प्रिंसिपल फोटोग्राफी के साथ टेक्निकल रेकी, एक्शन ब्लॉकिंग, उपकरणों की आवाजाही और स्थानीय क्रू के साथ कोऑर्डिनेशन भी शामिल होगा।

कनिष्क वर्मा ही फिल्म का निर्देशन करेंगे, लेकिन डायरेक्शन टीम के सेटअप में बदलाव की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा टीम के कुछ सदस्य प्रोजेक्ट से अलग हो सकते हैं और नई प्रोफेशनल टीमों को जोड़ने पर विचार चल रहा है। फिल्म के लिए हॉलीवुड के क्रिएचर-इफेक्ट्स आर्टिस्ट एलेक गिलिस फिल्म के एलियन पर काम कर रहे हैं। वही फिजिकल कॉस्ट्यूम और प्रैक्टिकल डिजाइन पर काम किया जा रहा है। इस पर कई करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

इश्कनामा में दिखेगी गुरु-शहनाज की केमिस्ट्री

गुरु रंधावा और शहनाज गिल स्टारर फिल्म 'इश्कनामा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर की कहानी साल 1982 की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है। इसमें गुरु 'निम्मा' और शहनाज 'नसीमा' के किरदार में नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान यात्रा के दौरान निम्मा की मुलाकात नसीमा से होती है और दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगते हैं, लेकिन दोनों के बीच सरहद और अलग मजहब बड़ी चुनौती बनकर सामने आते हैं। ट्रेलर में नसीमा भारत देखने की इच्छा जताती है, जिसके बाद निम्मा उसे भारत घुमाता है। वापस पाकिस्तान छोड़ने के दौरान दोनों के रिश्ते की जानकारी नसीमा के पिता को मिल जाती है। इसके बाद निम्मा को कैद कर लिया जाता है और उस पर अत्याचार किया जाता है। वहीं नसीमा अपने पिता के खिलाफ खड़ी हो जाती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरहद और हालात के बीच दोनों की प्रेम कहानी किस अंजाम तक पहुंचती है।

धमाल के मानव को मैंने खुद बनाया

एक्टिंग, कॉमेडी, डांस, डबिंग, होस्टिंग, कोरियोग्राफी और सिंगिंग जैसी मनोरंजन की अलग-अलग विधाओं को एक साथ साधने वाले जावेद जाफरी जैसे कलाकार बॉलीवुड में विरले ही हैं। इसके बावजूद, इंडस्ट्री में 40 साल से सक्रिय जावेद जाफरी मानते हैं कि ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित न होने के चलते वह बहुत कुछ ऐसा नहीं कर पाए, जो कर सकते थे।

बकौल जावेद जाफरी, 'मैं जो भी चीजें कीं, वो बस खुद-ब-खुद होती गईं। मैंने प्लान करके कुछ नहीं किया। मेरी दिक्कत ही यही है कि मैं जिंदगी में ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित नहीं हूं। अगर व्यवस्थित होता तो बहुत कुछ कर लिया होता। मैंने डायरेक्टर के तौर पर एक फिल्म बना ली होती। मैंने रैप की एल्बम निकाल ली होती। 1985 में मैंने फिल्म 'मेरी जंग' में 'बोल बेबी बोल' गाने के बीच में रैप किया था। तब रैप का एल्बम निकालने का आइडिया भी आया था, तब बाबा सहगल भी नहीं आया था, लेकिन वही है कि मैं ऑर्गनाइज्ड नहीं हूं। मुझे कोई ऐसा चाहिए जो मुझे ऑर्गनाइज करे। हालांकि, फिल्म डायरेक्ट करने की ख्वाहिश अब भी है। वो मैं करूंगा।'

कॉमेडी पर बहुत बंदिशें लग चुकी हैं

इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल 4' से चर्चा बटोर रहे जावेद जाफरी का कॉमेडी से गहरा नाता रहा है। आजकल कॉमेडी का स्तर गिरने के सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं ये तो नहीं कहूंगा कि स्तर गिर चुका है। अभी माध्यम इतने सारे हो चुके हैं और एंटरटेनमेंट को देखने की आदतें बदल चुकी हैं। खासकर से कोविड के बाद, सोशल मीडिया, यूट्यूब, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, इन सारी चीजों ने कई चीजें बदली हैं। उसमें कॉमेडी भी है। कॉमेडी वैसे भी अलग-अलग ऑडियंस पर अलग तरह से असर डालती है। मेरा खुद का अनुभव रहा है कि नॉर्थ ईस्ट के डिब्रूगढ़ के शो में जिस चीज पर ताली बजती है, जिस पर लोग हंसते हैं, वो सैन फ्रैंसिस्को की ऑडियंस से बहुत अलग है। जबकि, मैं वही हिंदी बॉलीवुड शो कर रहा हूं, क्योंकि वहां सेंसिबिलिटी अलग होती है।

लोग बहुत सेंसिटिव हो गए हैं

वैसे, अभी लोग कुछ ज्यादा सेंसिटिव हो गए हैं, खासकर अपने देश में। जैसे, अब हम कुत्ते को कुत्ता नहीं बोल सकते, डॉगी बोलो ! ये क्या मतलब हुआ। मोटी नहीं बोल सकते, गूंगा नहीं बोल सकते, ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते, कुछ अजीब सी सेंसरशिप कहिए या जो भी कहिए, मगर इतना सेंसिटिव क्यों होना है? 70-80 के दौर में किसी की भावनाएं इन चीजों से आहत नहीं होती थीं। अब कॉमेडी पर बहुत बंदिशें हो गई हैं।'

'धमाल' में जावेद जाफरी का निभाया मानव का किरदार काफी पसंद किया गया। वह किरदार को गढ़ने में जावेद जाफरी की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया, ''धमाल' मेरी जिंदगी की सबसे मजेदार फिल्म है। मानव का किरदार भी मेरे बहुत करीब है, क्योंकि उसे बनाने में मेरा भी काफी हाथ है कि वो कैसे बोलेगा?, क्या पहनेगा?, कैसे चलेगा? दरअसल, जब मैं फिल्म के लिए हमारे डायरेक्टर इंद्र कुमार जी से मिला तो वह देखकर बोले कि जावेद तू तो स्मार्ट लगता है यार। मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाहते हैं तो मैंने कॉस्ट्यूम वालों के साथ तय किया कि उसे डंगरी पहनाते हैं। पोलो नेक की टीशर्ट पहनाते हैं ताकि एक बचपना दिखे, एक मासूमियत दिखे। फिर उन्होंने कहा कि तेरी आवाज बहुत अच्छी है, तो मैंने पूरा बेस हटा दिया। आवाज को पतला कर दिया। एक तुतलाहट ले आया, क्योंकि इस किरदार को कमजोर बनाना था। इसलिए, मैंने अपनी बॉडी लैंग्वेज बदली। थोड़ा झुककर चला। मम्मा विल भी प्राउड ऑफ यू, वाला डायलॉग भी स्क्रिप्ट में नहीं था तो इसे बनाने में बहुत मजा आया।'

बेटे मीजान संग करना फख्र की बात

जावेद जाफरी पिछले दिनों फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में अपने बेटे मीजान के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखे। पिता-बेटे की इस जोड़ी ने साथ में डांस भी किया। इस अनुभव को खास मानने वाले जावेद कहते हैं, 'बेटे के साथ काम करके निश्चित तौर पर फख्र होता है कि वह इतना बड़ा हो गया है कि अपनी जिंदगी, अपना करियर खुद आगे बढ़ा रहा है। एक पिता के तौर पर निश्चित तौर पर बहुत खुशी होती है।'

संक्षिप्त समाचार

बीजिंग में भारत-चीन बैठक संबंधों को सुधारने पर जोर

बीजिंग, एजेंसी। भारत और चीन के बीच संबंधों को फिर से सामान्य बनाने और आपसी विश्वास बढ़ाने के प्रयासों के तहत विदेश सचिव विक्रम मिसरी अपनी आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे हैं। यात्रा के पहले दिन उन्होंने बीजिंग में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग की उप-मंत्री सुन हाइयान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने पर विस्तार से चर्चा हुई। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों अधिकारियों के बीच आपसी प्राथमिकता वाले मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच राजनीतिक वार्ता, थिंक-टैंक जुड़ाव, अकादमिक आदान-प्रदान और आम लोगों के बीच आपसी संपर्क को और मजबूत करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। चीन में भारत के राजदूत रह चुके मिसरी ने चीन की राष्ट्रीय राजनीतिक सलाहकार संस्था के उप-महासचिव हॉग लियांग से भी मुलाकात की। इस बैठक में भी दोनों के बीच राजनीतिक और जन-स्तरीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

यूक्रेन को ड्रोन-रोधी एआई तकनीक देगा ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को इंग्लैंड के एक नौसैनिक अड्डे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से मुलाकात की। प्रधानमंत्री बनने के बाद किसी विदेशी नेता का यह उनका पहला दौरा रहा। बर्नहैम ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है और न्यायसंगत शांति स्थापित होने तक उसका समर्थन जारी रहेगा। इस दौरान ब्रिटेन ने यूक्रेन को अत्याधुनिक 'स्टोन क्लॉक' इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर तकनीक के बौद्धिक संपदा अधिकार सौंपने की घोषणा की। यह तकनीक दुश्मन के ड्रोन को भटकाने और नाकाम करने में सक्षम है। दोनों नेताओं ने ब्रिटेन में तीन सप्ताह का सैन्य और समुद्री बारूदी सुरंग रोधी प्रशिक्षण पूरा करने वाले 200 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों से भी मुलाकात की।

पाकिस्तान में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर किशोरी की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर 17 वर्षीय किशोरी की उसके चचेरे भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार को ननकाना साहिब जिले में हुई। आरोपी जावेद इकबाल अपनी चचेरी बहन से शादी करना चाहता था, लेकिन उसने प्रस्ताव ठुकरा दिया। बाजार जाते समय आरोपी ने उसे रोककर दोबारा शादी के लिए दबाव बनाया। मना करने पर उसने नजदीक से गोली मार दी, जिससे किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एक अन्य घटना में रहीम यार खान जिले में 23 वर्षीय युवक का कथित प्रेम संबंध होने पर अपहरण कर उसकी नाक काट दी गई। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका में सरकारी किराना स्टोर प्लान: न्यूयॉर्क सिटी मेयर बोले- खाद्य पदार्थों पर 30 फीसदी छूट

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने सरकारी किराना स्टोर खोलने की योजना बनाई है। सोमवार को उन्होंने फल, मांस व अन्य रसोई के सामान पर 30 फीसदी छूट की घोषणा की। उद्देश्य बढ़ती खाद्य कीमतों को कम करना है। पांच स्टोर शहर के पांचों बरो में खुलेंगे। पहला 2027 के अंत तक ब्रॉक्स में खुलेगा। ममदानी ने कहा, 30 फीसदी छूट से न्यूयॉर्क के लोगों को वास्तविक बचत होगी। दैनिक संचालन के लिए निजी ऑपरेटरों को चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई है। प्रशासन स्टोरफ्रंट, किराया व संपत्ति कर का वहन करेगा। छोटे किराना व्यापारी व बोडेगा मालिक रियायती कीमतों से प्रतिस्पर्धा पर चिंतित हैं। ममदानी ने कहा, स्टोर गर्म भोजन, बीयर या सिगरेट नहीं बेचेंगे, ताकि निजी दुकानों से प्रतिस्पर्धा न हो। मैनहट्टन और ब्रॉक्स में जगह चुन ली गई है।

100 साल पुराने घर में छिपा था गुप्त कमरा, खोलते ही मिला खजाना; हो गए मालामाल

लंदन, एजेंसी। यूके में एक दंपती को अपने 100 साल पुराने घर में एक गुप्त कमरा मिल गया जिसमें खजाना छिपा हुआ था। 34 साल की लीजा और उनके पति छुट्टियों में अपने पैतृक घर गए थे। यह घर लंबे समय से बंद था और वे दोनों शहर में रहने लगे थे। साफ सफाई के दौरान उन्हें फर्श पर एक जगह ईंट उठी हुई दिखी तो उन्होंने इसे हटाया। अंदर एक कमरे जैसा दिखाई दिया। इसके बाद दोनों ने इसे खोलने का फैसला किया। एक दीवार तोड़ने के बाद उन्हें अपने ही घर में एक गुप्त कमरा मिला। इस कमरे में चारों ओर कोयला ही कोयला दिखाई दे रहा था। दोनों ने सोचा कि पुराना कमरा है और इसकी साफ-सफाई करदी जाए। कोयला साफ करते समय उन्हें एक टिन बॉक्स मिला जिसमें जंग लगा हुआ था।

फ्रांस के जंगलों में भीषण तबाही: मैक्रों बोले- 'हम मिलकर जीतेंगे यह लड़ाई'

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस, स्पेन और इटली इस समय भीषण जंगल की आग से जूझ रहे हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर दमकलकर्मियों का हौसला बढ़ाया और इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा अग्नि संकट बताया। फ्रांस और स्पेन में अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग दर्ज की गई है, जबकि लगातार पड़ रही हीटवेव और जलवायु परिवर्तन ने हालात को और गंभीर बना दिया है।

हालात इतने खराब कैसे हुए : दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में आग बुझाने के लिए बनाए गए समन्वय केंद्र (कोऑर्डिनेशन सेंटर) के दौरे के दौरान मैक्रों ने अधिकारियों से पूरी स्थिति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि पिछले सप्ताह से धधक रही आग बेहद अनिश्चित रही है। कई बार इसने खुद ही फैलने वाले 'फायर स्टॉर्म' यानी आग के तूफान का रूप ले लिया। इस आग ने पेरिस से लगभग चार गुना बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया और करीब 2.20 लाख लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

मैक्रों ने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा संकट क्यों बताया : मैक्रों ने कहा कि हम ऐसी आग का सामना कर रहे हैं, जैसी पहले कभी नहीं देखी गई।' उन्होंने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद फ्रांस में आग से जुड़ा सबसे बड़ा संकट बताया। राष्ट्रपति ने लगातार कई दिनों तक कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले दमकलकर्मियों की सराहना की, जिन्होंने सोमवार तक आग के आगे बढ़ने की रफ्तार को रोकने में सफलता हासिल की। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि जंगलों में अब भी कई जगह आग सुलग रही है और खतरा पूरी तरह टला नहीं है। आने वाले सप्ताह बेहद चुनौतीपूर्ण होंगे।

क्या हीटवेव आग पर काबू पाने में सबसे बड़ी चुनौती बनेगी : हजारों दमकलकर्मी और पानी व अग्निरोधी रसायन गिराने वाले विमान लगातार अभियान में जुटे हुए हैं। राहत कार्य समय के खिलाफ दौड़ बन चुका है, क्योंकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाली हीटवेव आग बुझाने के प्रयासों को और कठिन बना सकती है। राष्ट्रीय मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है, जबकि बुधवार को इससे भी अधिक गर्मी पड़ सकती है।

क्या फिलहाल आग पर कुछ हद तक काबू पाया जा सका है : क्षेत्रीय प्रशासन के मुताबिक सोमवार रात तक स्थिति 'कुल मिलाकर स्थिर' रही, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में राहत देने वाली खबर है। इससे पहले आग बोर्डो शहर के बाहरी हिस्सों से महज 15 किलोमीटर दूर तक पहुंच गई थी। लगभग 2.68 लाख आबादी वाले इस ऐतिहासिक शहर के आसपास आग ने बिजली जैसी चमक के साथ 'फायर स्टॉर्म' पैदा किए, जिससे कई नई जगहों पर आग भड़क उठी।

क्या लोगों को अभी भी घर छोड़ने की जरूरत पड़ रही है : सोमवार को किसी नए इलाके को खाली कराने की घोषणा नहीं की गई। हालांकि अगस्त में शुरू होने वाले पर्यटन सीजन को देखते हुए गिरोंडे क्षेत्र के प्रशासन ने बच्चों और दिव्यांग लोगों के लिए संचालित होने वाले हॉलिडे कैंपों पर रोक लगा दी है, ताकि जोखिम वाले इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही सीमित की जा सके।

आग को रोकने के लिए जमीन पर कैसी तैयारी की जा रही है : आग की रफ्तार रोकने के लिए भारी अर्थ-मूवर मशीनों से जंगल और झाड़ियों के बीच खाली पट्टियां बनाई जा रही हैं, ताकि आग आगे न बढ़ सके। किसान भी पानी के टैंकरों के जरिए दमकल टीमों तक लगातार पानी पहुंचा रहे हैं और राहत अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

कौन-कौन से देश फ्रांस और स्पेन की मदद के लिए आगे आए हैं : करीब एक दर्जन देशों ने फ्रांस और स्पेन को विमान, हेलीकॉप्टर, दमकलकर्मी और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए हैं। दोनों देशों में लगी भीषण आग के कारण अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में मैड्रिड के आसपास और वालेंसिया क्षेत्र में जंगल की आग लगातार फैल रही है। प्रशासन ने 79 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, जबकि 30 हजार लोगों को एहतियातन घरों के भीतर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। फ्रांस और स्पेन, दोनों देशों में इस वर्ष समय से पहले और अत्यधिक तीव्र हीटवेव देखने को मिली। इससे जंगल और झाड़ियां पूरी तरह सूख गईं और आग तेजी से फैलने लगी। इन हालात के बीच जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग तेज हो गई है।

ट्रंप ने फिर छेड़ी ईवी बनाम पेट्रोल कार की बहस ?: पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की नीति पर साधा निशाना, दी बड़ी चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक और इंटरनल कंबशन इंजन (पेट्रोल-डीजल) वाले वाहनों में अपनी पसंद से चुनाव करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। ट्रंप का दावा है कि उनकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की ईवीनीति और ईंधन दक्षता मानकों को समाप्त कर अमेरिकी ऑटो उद्योग को नुकसान से बचाया।

ट्रंप ने ईवी नीति पर क्या कहा : मिशिगन में जनरल मोटर्स के मिलफोर्ड प्रूविंग ग्राउंड के दौरे के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले दिन ही बाइडन की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को खत्म कर दिया था। उनके अनुसार, यदि वह नीति जारी रहती तो अमेरिकी ऑटो उद्योग को भारी नुकसान होता। उन्होंने कहा कि यदि कोई इलेक्ट्रिक कार खरीदना चाहता है तो उसके लिए विकल्प मौजूद हैं, लेकिन यदि कोई पेट्रोल-डीजल या अन्य प्रकार का वाहन खरीदना चाहता है तो उसे भी वही स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

रोजगार को लेकर ट्रंप ने क्या चिंता जताई : ट्रंप ने कहा कि इलेक्ट्रिक कारों के निर्माण में पारंपरिक वाहनों की तुलना में कम कर्मचारियों की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि इससे मिशिगन जैसे उन राज्यों में रोजगार प्रभावित हो सकता है, जहां बड़ी संख्या में लोग ऑटोमोबाइल उद्योग पर निर्भर हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बाइडन प्रशासन के कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकॉनमी (CAFE) मानकों को भी समाप्त कर दिया। उनके अनुसार, ये मानक अमेरिकी वाहन कंपनियों को दिवालिया होने की ओर ले जा सकते थे और इंटरनल कंबशन इंजन वाले वाहनों के भविष्य पर भी खतरा पैदा कर सकते थे। उन्होंने कहा कि जब तक वह राष्ट्रपति हैं, ऐसा नहीं होने देंगे।

टैरिफ और घरेलू उत्पादन पर क्या बोले : ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ने अमेरिका के बाहर बनने वाले वाहनों और ट्रकों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जबकि देश में निर्मित वाहनों पर यह लागू नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से कंपनियां अमेरिका में उत्पादन बढ़ा रही हैं। उन्होंने जनरल मोटर्स की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी ने 2026 में ट्रक और एसयूवी उत्पादन में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है और पिछले दो वर्षों में अमेरिका में फैक्ट्रियां वापस लाने के लिए 9 अरब डॉलर का निवेश किया है। बाइडन प्रशासन ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्सर्जन और ईंधन दक्षता से जुड़े कड़े मानक लागू किए थे। इन नीतियों में सभी नए वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाना अनिवार्य नहीं था।

नाइजीरिया में आधी रात बंदूकधारियों का खूनी हमला, 30 से ज्यादा लोगों की मौत... पूरे इलाके में मचा हड़कंप

अबूजा , एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तरी राज्य कडुना में रविवार देर रात अज्ञात बंदूकधारियों ने एक समुदाय पर हमला किया, जिसमें बच्चों समेत 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इस हमले की पुष्टि स्थानीय मीडिया ने सोमवार को करते हुए घटना की पूरी जानकारी दी। नाइजीरिया के अखबार 'द पंच न्यूजपेपर्स' के अनुसार, कौरू लोकल गवर्नमेंट एरिया के नारिडोन समुदाय में बंदूकधारियों ने गोलीबारी की और घरों के साथ ही दुकानों में भी आग लगा दी, जिससे कई निवासी घायल हो गए। इनमें कई लोगों की हालत गंभीर है।

आधी रात को हुआ अचानक हुआ हमला : अखबार ने कम्युनिटी लीडर्स के हवाले से बताया कि हमला रविवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 11:00 बजे शुरू हुआ। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमले में घायल कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस कारण मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इस हमले में स्थानीय निवासी डोगोन राना का घर भी नष्ट कर दिया गया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि बंदूकधारियों ने दूरदराज के समुदाय को घेर लिया और अंधाधुंध हमला किया। हमले का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और स्थानीय पुलिस ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कडुना राज्य में हाल के वर्षों में हिंसक हमलों की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें सांप्रदायिक झड़पें भी शामिल हैं। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि नाइजीरिया के दक्षिणी राज्य अनाम्ब्रा में रविवार देर रात तीन मंजिला इमारत गिरने के बाद दर्जनों लोगों के फंसे होने की आशंका है। अनाम्ब्रा राज्य में पुलिस के प्रवक्ता टोचुकु इकेन्गा ने फोन पर सिन्हुआ को बताया कि 'एलीट फाइव स्टार लॉज' नाम की इमारत के मलबे से कई घायल लोगों को बचाया गया है। इस इमारत में मुख्य रूप से अनाम्ब्रा में फेडरल पॉलिटेक्निक ओको के छात्र रहते थे। इकेन्गा ने कहा कि सोमवार को बचाव अभियान जारी रहा और आपातकालीन बचाव दल मलबे के नीचे फंसे लोगों का पता लगाने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस इमारत में आम तौर पर शैक्षणिक संस्थान के छात्रों की भीड़ रहती है।

ट्रंप की धमकी के बाद दहला ईराक; एरबिल में अमेरिकी दूतावास के पास ड्रोन हमले, अलर्ट पर अमेरिकी सेना

बगदाद, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। मंगलवार तड़के उत्तरी इराक का एरबिल शहर जोरदार धमाकों की आवाजों से थर्रा उठा। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बेहद करीब हुए इन विस्फोटों के पीछे ईरान समर्थित ड्रोन हमलों की आशंका जताई जा रही है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच संवेदनशील कूटनीतिक वार्ताएं चल रही हैं।

दूतावास के पास अफरा-तफरी, कई इलाकों में आग : स्थानीय पुलिस और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एरबिल के उत्तर-पूर्व में स्थित खलिफान और सोरान क्षेत्रों में कम से कम चार ड्रोन हमले दर्ज किए गए। लोगों ने बताया कि एरबिल शहर में एक के बाद एक करीब सात धमाके सुने गए, जिनमें से कुछ अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के आसपास हुए। इन हमलों के बाद प्रभावित क्षेत्रों में भीषण आग लग गई और आसमान में धुएं का गुबार देखा गया। फुटेज में इराकी कुर्दिस्तान के ऊपर सक्रिय एयर डिफेंस सिस्टम की गतिविधियां भी नजर आई हैं।

अलर्ट पर अमेरिकी सेना : हमले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां अचानक तेज हो गई हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि धमाकों के तुरंत बाद एरबिल के आसमान में 10 से अधिक अमेरिकी लड़ाकू विमान और ड्रोन गश्त करते देखे गए। हालांकि, पेंटागन या अन्य अमेरिकी अधिकारियों की ओर से अभी तक किसी जानी-नुकसान या जवाबी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गैस क्षेत्र को भी बनाया गया निशाना : ईरान के सरकारी प्रसारक IRIB ने दावा किया है कि यह हमला केवल एरबिल तक सीमित नहीं था। खबरों के मुताबिक, सुलेमानिया प्रांत के खोर मोर गैस क्षेत्र पर भी हमला हुआ है। इसके अलावा, अल-अनबर प्रांत में एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया गया है, जिसके मलबे की तस्वीरें हदीथा बांध के पास से सामने आने की बात कही जा रही है।

ट्रंप की चेतावनी और वार्ता की अनिश्चितता : यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने बातचीत विफल होने पर कड़ी सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी थी। वर्तमान में ओमान, कतर, पाकिस्तान और मिस्र जैसे देश अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं, ताकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित रखा जा सके और परमाणु समझौते पर सहमति बन सके। लेकिन एरबिल में हुए इन हमलों ने शांति की इन कोशिशों पर सवालिया निशान लगा दिया है।

टोरंटो में अमेरिका कॉन्सुलेट को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया, पुलिस जांच जारी

टोरंटो, एजेंसी। उत्तरी अमेरिका के टोरंटो में अमेरिकी कॉन्सुलेट को सोमवार को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया. हमलावर गोलीबारी के बाद फरार हो गया. इस हमले के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस हमलावर की तलाश में जुट गई है. सीबीसी न्यूज के मुताबिक कॉन्सुलेट के पास रेगुलर पेट्रोलिंग कर रहे एक ऑफिसर ने सुबह करीब 4:45 बजे इलाके में गोलियों की आवाज सुनी. ऑफिसर 10 मार्च को उस जगह पर हुई पिछली शूटिंग के बाद वहां तैनात थे.

रिपोर्ट के मुताबिक टोरंटो पुलिस के डिप्टी चीफ फ्रैंक बैरेडो ने कहा कि ऑफिसर ने तुरंत एक सफेद होंडा अकॉर्ड को बिना लाइसेंस प्लेट के उस जगह से तेजी से भागते देखा. ऑफिसर्स ने डॉन मिल्स रोड के पास डॉन वैली पार्कवे पर थोड़ी देर गाड़ी का पीछा किया, लेकिन गाड़ी की स्पीड 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज़्यादा होने के बाद सेफ्टी रिस्क की वजह से पीछा रोक दिया. पीछा करने के दौरान एरियल सपोर्ट मौजूद नहीं था.

घटना पर बात करते हुए डिप्टी चीफ बैरेडो ने कहा, 'हम इस स्थिति को बहुत गंभीरता से लेंगे. उन्होंने शूटिंग को बेशर्मी और घिनौना बताया. सीबीसी न्यूज ने बताया कि पुलिस ने कॉन्सुलेट के पास से एक शेल केसिंग बरामद की और बिल्डिंग के सामने के हिस्से को नुकसान देखा. घटना के संबंध में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. सीबीसी न्यूज ने बताया कि अमेरिकी एम्बेसी के एक स्पोक्सपर्सन ने एक ईमेल स्टेटमेंट में टोरंटो पुलिस को उनके तेज रिस्पॉन्स के लिए धन्यवाद दिया. मकसद और गाड़ी में सवार लोगों की संख्या की जांच अभी भी जारी है. टोरंटो पुलिस स्पोक्सपर्सन स्टेफ़नी सेयर ने बताया कि डिपार्टमेंट अभी ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस या डरहम रीजनल पुलिस सर्विस के हेलीकॉप्टर पर निर्भर है, लेकिन इस साल के आखिर में उसे अपना एयरक्राफ्ट मिलने वाला है. सोमवार को रिपोर्टर्स से बात करते हुए टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ ने कहा कि उन्होंने कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मिनिस्टर गैरी आनंदसांगरी से शहर में गन वायलेंस और गैर-कानूनी हथियारों की आमद को रोकने के तरीकों के बारे में बात की. मेयर चाउ ने इस शूटिंग को बेशर्म हमला बताया. सीबीसी न्यूज़ के मुताबिक, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) टोरंटो पुलिस और इंटरनेशनल पार्टनर्स के साथ मिलकर जांच में सहयोग कर रही है. आरसीएमपी सुपरिंटेंडेंट जोनाथन को ने कहा, 'कनाडा में किसी भी व्यक्ति के प्रति धमकी और हिंसा को बहुत गंभीरता से लिया जाता है.' सीबीसी न्यूज ने बताया कि यह घटना 10 मार्च को हुई इसी तरह की घटना के बाद चार महीने से कुछ ज़्यादा समय में डाउनटाउन लोकेशन पर दूसरी शूटिंग है।

अमेरिका में नाबालिगों के लिए एडिक्टिव एआई चैटबॉट्स पर रोक लगाने वाला विधेयक पेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक लॉमेकर ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसके तहत एआई चैटबॉट बनाने वाली कंपनियों को नाबालिगों के लिए ऐसे फीचर उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जो भावनात्मक निर्भरता, अत्यधिक उपयोग और लत को बढ़ावा देते हैं। वर्मोंट से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि बेका बालिंट द्वारा पेश किए गए एडिक्टिव डिज़ाइन एक्ट के तहत उन कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो नाबालिगों को एडिक्टिव डिजाइन वाले चैटबॉट उपलब्ध कराती हैं। यह विधेयक ऐसे समय में लाया गया है, जब किशोर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए तेजी से एआई चैटबॉट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, बालिंट के कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, अधिकांश चैटबॉट्स इस तरह से डिजाइन नहीं किए गए हैं कि वे मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे किसी युवा को सुरक्षित और उचित प्रतिक्रिया दे सकें।

बालिंट ने कहा, तकनीकी कंपनियों ने वर्षों तक यह सीखने में बिताया है कि लोगों का ध्यान कैसे आकर्षित किया जाए और उन्हें अधिकतम समय तक कैसे जोड़े रखा जाए। उन्हें यही रणनीति उन संवेदनशील बच्चों पर लागू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जो मानसिक स्वास्थ्य संकट के दौरान किसी एआई चैटबॉट का सहारा ले रहे हों। उन्होंने आगे कहा, हम एआई के मामले में वही गलती नहीं दोहरा सकते। इससे पहले कि और परिवार इसके दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हों, हमें स्पष्ट नियम, शोध और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

विधेयक के तहत कंपनियों को ऐसे चैटबॉट्स नाबालिगों के लिए उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जिनमें ऐसे फीचर हों जो लत, अस्वस्थ भावनात्मक लगाव या अत्यधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं।

विधेयक में टाइपिंग बबल्स, अवतार और पिछली बातचीत से प्राप्त व्यक्तिगत जानकारी का संग्रह और उपयोग संभावित रूप से एडिक्टिव फीचर्स के रूप में चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा, बातचीत जारी रखने के लिए आगे और जुड़ाव या भुगतान की अनिवार्यता, दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की अनुमति देना और किसी वास्तविक व्यक्ति का प्रतिरूप प्रस्तुत करना भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। प्रस्तावित प्रावधानों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक प्रभावित नाबालिग के लिए 5,000 डॉलर तक का सिविल जुर्माना लगाया जा सकता है।

पाकिस्तानी रेंजर्स की फायरिंग में 19 की मौत, कई जगह मतपेटियां फूंकीं; तनाव चरम पर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में सोमवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान जबरदस्त खून-खराबा देखने को मिला। एक तरफ पाकिस्तान इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बता रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर इन चुनावों का बहिष्कार किया है। इस दौरान हुई हिंसा और पाकिस्तानी रेंजर्स की अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम 19 लोगों की जान चली गई है, जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

रावलकोट में पाक रेंजर्स की बर्बरता : सबसे भीषण हिंसा रावलकोट इलाके में हुई। सूत्रों और सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के आह्वान पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी 'मुजफ्फराबाद चलो' लॉन्ग मार्च निकालने की तैयारी कर रहे थे, तभी पाक रेंजर्स ने उन पर गोलियां चला दीं। इस कार्रवाई में 19 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

भींबर में मतपेटियां फूंकीं : हिंसा की लपटें केवल रावलकोट तक सीमित नहीं रहीं। भींबर जिले में एक मतदान केंद्र पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई। हालात इतने बिगड़ गए कि उपद्रवियों ने एक मतपेटी छीन ली और उसे आग के हवाले कर दिया, जिससे उसमें रखे सभी वोट जलकर राख हो गए। उधर, कोटली जिले के नकयाल में हुई झड़प में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के एक कार्यकर्ता मुख्तार यूनुस की मौत की खबर है। पीपीपी ने इस हत्या के लिए अपने राजनीतिक विरोधियों को जिम्मेदार ठहराया है।

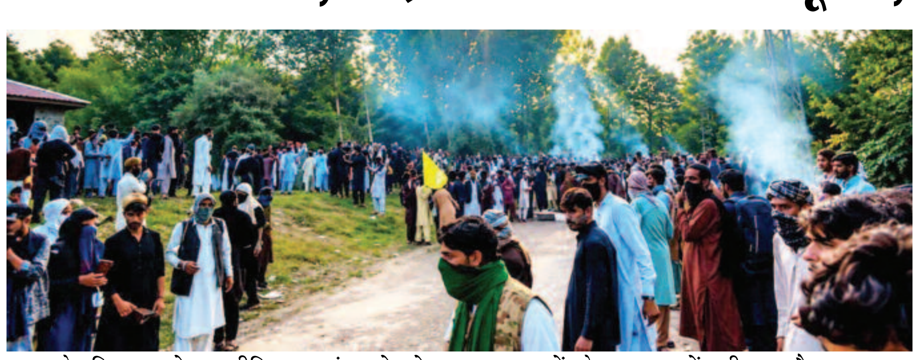

जेएएसी का चुनाव बहिष्कार : यह चुनाव ऐसे समय में हो रहा है जब पीओके का प्रशासन और नागरिक संगठनों का समूह जेएएसी आमने-सामने हैं। जेएएसी ने शासन की विफलता, आर्थिक तंगी और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर इन चुनावों के बहिष्कार का ऐलान किया था। संगठन की मुख्य मांग 1947 के बाद यहां बसे शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करना है। पिछले दो महीनों से जारी इन विरोध प्रदर्शनों के कारण इस्लामाबाद ने इस संगठन पर प्रतिबंध भी लगा दिया था, जिससे जनता में भारी गुस्सा है।

दमन का नतीजा है यह आक्रोश : पीओके में जारी इस अस्थिरता पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। नई दिल्ली ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न हिस्से हैं। भारत के अनुसार, पीओके में हो रहे प्रदर्शन पाकिस्तान की ओर से दशकों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण और प्रशासनिक दमन का सीधा परिणाम हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हाल ही में कहा था कि अब पाकिस्तान से सिर्फ पीओके पर बात होगी।

रावलकोट के भयावह हालात: सड़कों पर लाशें और खून : रावलकोट में पिछले 52 दिनों से चल रहे 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रदर्शनों को कुचलने के लिए पाकिस्तानी बलों द्वारा की गई कार्रवाई ने खौफनाक रूप ले लिया है। स्थानीय लोगों के बयान बेहद डरावने हैं। रावलकोट में मौजूद चश्मदीद और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अकील भाई ने वीडियो जारी कर बताया कि वहां हर तरफ लाशें और घायल लोग नजर आ रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)